PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 286 ● भिलाई, मंगलवार 26 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छोटे शहरों और कस्बों को भी मिलेगा आधुनिक विकास का नया मॉडल

आदर्श शहर समृद्धि योजना से छोटे और मध्यम शहरों को मिलेगा व्यवस्थित विकास का नया आधार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के समग्र एवं संतुलित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। बड़े शहरों के साथ-साथ उभरते नगरों और कस्बों को भी आधुनिक शहरी सुविधाओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा 'आदर्श शहर समृद्धि योजना' प्रारंभ की जा रही है।

चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप यह योजना पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में नगर निगमों के लिए प्रारंभ हुई मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना की तर्ज पर नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अधोसंरचना को मजबूत करने, जन सुविधाओं का विस्तार करने तथा विकास कार्यों को गति देने का माध्यम बनेगी। योजना के जरिए छोटे और मध्यम शहरों में भी सुव्यवस्थित शहरी विकास की नई आधारशिला रखी जाएगी। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने आज योजना के प्रथम चरण के लिए प्रदेशभर के 32 नगरीय निकायों का चयन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। योजना के तहत कार्यों के चयन, स्थल निरीक्षण और प्राथमिकता निर्धारण के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय (संभागीय) कार्यालयों के संयुक्त संचालकों की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समितियों का गठन भी किया गया है। समितियों को आगामी 15 दिनों के भीतर कार्यों का चिन्हांकन, स्थल निरीक्षण कर प्राथमिकता के क्रम में सूची तैयार करते हुए अनुमानित राशि की जानकारी शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री साय के निर्देशानुसार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और समन्वय के लिए पांचों राजस्व संभागों में कार्यों के चयन एवं मॉनिटरिंग हेतु संचालनालय के यांत्रिकी प्रकोष्ठ के मुख्य अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, ताकि कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके।

पहले चरण में प्रदेश के 32 नगरीय निकायों को मिला अवसर

आदर्श शहर समृद्धि योजना के पहले चरण में प्रदेश के 32 नगरीय निकायों को शामिल किया गया है। इनमें बस्तर, सरगुजा और रायपुर संभाग के छह-छह, बिलासपुर संभाग के नौ तथा दुर्ग संभाग के पांच निकाय शामिल हैं। बस्तर संभाग के अंतर्गत सुकमा नगर पालिका के साथ भोपालपटनम, गीदम, केशकाल, पखांजूर और नरहरपुर नगर पंचायत को शामिल किया गया है। दुर्ग संभाग में पंडरिया और खैरागढ़ नगर पालिका के साथ गुरूर, घुमका और छुईखदान नगर पंचायतों का चयन किया गया है। रायपुर संभाग के अंतर्गत कुरूद, महासमुंद, आरंग और बलौदाबाजार नगर पालिका तथा पिथौरा एवं चंद्रपुरी नगर पंचायत को योजना में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की सौजन्य भेंट

नयी दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच जनहित, सुशासन, शहरी विकास, सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार तथा राज्यों के बीच बेहतर समन्वय जैसे विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में चल रहे विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। दोनों मुख्यमंत्रियों ने देश के विकास में राज्यों की सक्रिय भूमिका और आपसी सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विभिन्न समसामयिक विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

केबिनेट की बैठक आज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद् (केबिनेट) की बैठक मंगलवार को शाम 6.00 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित की गई है।

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े, लोगों की चिंता बढ़ी पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 प्रति लीटर हुआ महंगा

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी कर दी है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं।

लंबे अंतराल के बाद हाल में 15 मई को पहली बार तेल की कीमतों में वृद्धि हुई थी। तब से लेकर अब तक पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.82 रुपये प्रति लीटर महंगे हो चुके हैं। इनकी कीमतों में अभी और वृद्धि हो सकती है। तेल अधिकारियों का कहना है कि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतें और रुपये के अवमूल्यन के कारण बढ़ी हुई आयात लागत है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार अस्थिरता और अंडर-रिकवरी (लागत से कम पर बिक्री) ने तेल खुदरा विक्रेताओं पर भारी दबाव बना दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, कमजोर होता रुपया और आयात लागत बढ़ने की वजह से तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। गत 28 फरवरी को शुरू हुए पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति बाधित होने से कच्चे तेल की कीमत में उछाल आया है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। इसके अलावा रिफाइनिंग मार्जिन में बदलाव का असर भी ईंधन की कीमतों पर पड़ रहा है। लंबे समय तक कीमतें स्थिर रखने के बाद अब सरकारी तेल कंपनियां धीरे-धीरे बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं। नई दरों के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर हो गई है। यहां 2.61 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया, जहां 2.87 रुपये की बढ़ोतरी हुई। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि चेन्नई में यह 107.77 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई। ईंधन की बढ़ती कीमतों ने खासकर मध्यम वर्ग और रोजाना वाहन इस्तेमाल करने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

प्रतिदिन हो रही जनता की जेब पर डकैती : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि फ्यूल लूट का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ है और पिछले 10 दिनों में चौथी बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। खरगे ने कहा कि पिछले दो सप्ताह में पेट्रोल की कीमतों में कुल 7.35 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 7.53 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने आम लोगों की बचत को जलाने के लिए पेट्रोल छिड़क दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में 175.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय क्रूड ऑयल की कीमतों में कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई। इसके बावजूद पेट्रोल की कीमत 71.41 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 102.12 रुपये और डीजल 56.71 रुपये से बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किये

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में 66 हस्तियों को वर्ष 2026 के लिए पद्मविभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में दो हस्तियों को पद्म विभूषण, छह को पद्म भूषण और 58 को पद्म श्री से सम्मानित किया गया। सुप्रसिद्ध अभिनेता धर्मेन्द्र सिंह देयोल को मरणोपरांत दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

उनकी पत्नी एवं जानी मानी अभिनेत्री हेमा मालिनी ने यह पुरस्कार लिया। उनके अलावा जानी मानी वायलिन वादक डॉ. एन. राजम को भी पद्म विभूषण से प्रदान किया गया। डॉ. एन. राजम , अवधान परंपरा के महान आचार्य और लेखक डॉ. आर. गणेश, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी , उद्योगपति उदय सुरेशकुमार कोटक, भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे प्रो विजय कुमार मल्होत्रा (मरणोपरांत), चिकित्सा क्षेत्र के अग्रणी रहे डा. कल्लीपट्टी रामासामी पलानीस्वामी और विज्ञापन जगत के अग्रणी नामों में शुमार पीयूष पांडे (मरणोपरांत) को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पद्म विभूषण, भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जो असाधारण एवं विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। पद्म भूषण, भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जो उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। पद्म श्री , भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जो किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई 'कॉकरोच जनता पार्टी' की गतिविधियों की जांच की मांग वाली याचिका

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। यह व्यंग्यात्मक सोशल मीडिया आंदोलन भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद उभरा था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता एन के गोस्वामी ने सोमवार को तर्क दिया कि कॉकरोच जनता पार्टी न्यायपालिका की छवि को नुकसान पहुंचा रही है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी एम पंचोली की पीठ ने जवाब देते हुए कहा, इसे इतना भावुकता से न लें। एक अन्य अधिवक्ता ने दलील दी कि याचिकाकर्ता फर्जी कानून की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, साथ ही यह भी तर्क दिया कि अदालत में होने वाली बातचीत का व्यावसायिक रूप से दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। इस दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ऐसी कोई गंभीर आवश्यकता नहीं है। हम देखेंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी इस महीने की शुरुआत में एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन आंदोलन के रूप में उभरी, जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर, विशेष रूप से युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल की। इस आंदोलन की शुरुआत 15 मई को उच्चतम न्यायालय में हुई कार्यवाही से हुई, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बेरोजगार युवा वकीलों के वकालत छोड़कर सोशल मीडिया और आरटीआई सक्रियता की ओर रुख करने पर चिंता व्यक्त की थी।

एसीबी ने रिश्वतखोरी के मामले में कनिष्ठ अभियंता मनीष कुमार बजाज एवं लाइनमैन राकेश शुक्ला को किया गिरफ्तार

मनेन्द्रगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वतखोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता मनीष कुमार बजाज एवं लाइनमैन राकेश शुक्ला को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार डेमनापारा निवासी रमेश ने अपने 5 एचपी मोटर कनेक्शन के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि कनेक्शन जारी करने के एवज में कनिष्ठ अभियंता और लाइनमैन द्वारा 10 हजार रिश्वत की मांग की गई थी। मामले की शिकायत पीड़ित ने एसीबी से की, जिसके बाद टीम ने शिकायत का सत्यापन कर ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई।

एसीबी अधिकारियों ने शिकायतकर्ता को 9 हजार 500 देकर कार्यालय भेजा। जैसे ही आरोपियों ने रिश्वत की रकम स्वीकार की, पहले से घात लगाए बैठी एसीबी टीम ने दबिश देकर दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद विद्युत विभाग कार्यालय में हड़कंप मच गया।

पाकिस्तान में रेलवे स्टेशन पर आत्मघाती विस्फोट से 26 से अधिक मौतें और 60 से ज्यादा घायल

क्वेटा (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर सोमवार की सुबह करीब 10 बजे एक भीषण आत्मघाती विस्फोट से 26 लोगों की मौत और 60 से ज्यादा के घायल होने की रिपोर्टें हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार हताहतों की संख्या बढ़ सकती है।

अधिकारियों ने बताया कि यह धमाका उस समय हुआ जब मुसाफिर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होने के लिए प्लेटफॉर्म पर जमा थे। धमाके के तुरंत बाद राहत और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर घायलों को क्वेटा के सिविल अस्पताल और कम्बाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) में दाखिल कराया। अस्पताल प्रशासन ने खून की भारी कमी को देखते हुए आपातकाल लागू कर दी है और आम अवाम से खून का दान करने की अपील की है।

स्थानीय मीडिया के रिपोर्टों के अनुसार धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज पूरे शहर में सुनी गयी। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर लगा लोहे का विशाल शेड (छत) पूरी तरह तबाह हो गया और वहां खड़ी ट्रेन की बोगियों के परखच्चे उड़ गये।

परमाणु वार्ता को बाद की तारीख तक स्थगित करने का भी प्रावधान

अमेरिका और ईरान 30 दिनों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने पर हुए सहमत

मॉस्को। अमेरिका और ईरान ने एक प्रारंभिक समझौते के तहत 30 दिनों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने पर सहमति जताई है। 'वाशिंगटन' पोस्ट ने एक अज्ञात राजनयिक के हवाले से यह जानकारी दी। अखबार ने एक अज्ञात ईरानी अधिकारी के हवाले से बताया कि अमेरिका-ईरान के प्रारंभिक शांति समझौते में परमाणु वार्ता को बाद की तारीख तक स्थगित करने का भी प्रावधान है। अखबार ने एक अज्ञात राजनयिक के हवाले से बताया कि ईरान और अमेरिका के बीच प्रारंभिक ढांचागत समझौते को अभी तक ईरानी पक्ष द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है। अखबार के अनुसार, अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए दोनों पक्ष 60 दिनों के लिए युद्धविराम बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। फॉक्स न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिका-ईरान ढांचागत समझौता 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है, हालांकि वार्ताकार अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य और तेहरान के परमाणु भंडार से संबंधित शब्दों पर बहस कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कहा था कि ईरान के साथ समझौते पर काफी हद तक सहमति बन चुकी है और अंतिम पहलुओं और विवरणों पर चर्चा चल रही है, जिनकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। नाम न बताने की शर्त पर अमेरिकी अधिकारियों ने चैनल को पुष्टि की कि ईरान ने सैद्धांतिक रूप से समझौते के ढांचे पर सहमति दे दी है। एक अधिकारी ने ब्रॉडकास्टर को बताया, हम 95 प्रतिशत तक पहुँच चुके हैं।

ईरान के साथ समझौता अब भी संभव 'काफी मज़बूत' प्रस्ताव मेज़ पर : रुबियो

नयी दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान के साथ समझौते की संभावना अब भी बनी हुई है और इस दिशा में एक काफी मजबूत प्रस्ताव वार्ता मेज पर रखा गया है। रुबियो ने भारत यात्रा के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि प्रस्ताव में ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने तथा परमाणु मुद्दों पर वास्तविक, महत्वपूर्ण और समयबद्ध वार्ता में शामिल होने की बात शामिल है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि हम इसे सफल बना लेंगे। इसे खाड़ी देशों और वैश्विक स्तर पर व्यापक समर्थन प्राप्त है। जिन भी देशों से हमने इस पर चर्चा की, उनका मानना है कि यह न केवल बेहद उचित बल्कि दुनिया के हित में भी है। रुबियो ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी भी कीमत पर जल्दबाजी में समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति कोई गलत समझौता नहीं करेंगे। हम देखेंगे कि आगे क्या होता है।

रायपुर हवाई अड्डे पर इबोला संक्रमण को लेकर अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इबोला वायरस के संभावित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है।

संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) ने संक्रमण की रोकथाम एवं निगरानी को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आधिकारिक निर्देशों के अनुसार रायपुर हवाईअड्डा पर आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य जांच और संदिग्ध लक्षणों वाले लोगों की पहचान के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया है। इसके लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायपुर को एयरपोर्ट परिसर में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं, जो स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य समन्वय कार्यों की निगरानी करेगा।

वन विभाग ने उत्साहपूर्वक मनाया अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

धमतरी। विश्वभर में तेजी से घटती जैव विविधता के संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। धमतरी वनमंडल के डिपो कैम्पस स्थित नवीन प्रशिक्षण हॉल में आयोजित कार्यक्रम में वन अधिकारियों, विशेषज्ञों, संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं स्कूली छात्र.छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएफओ धमतरी जाधव श्रीकृष्ण ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ हम सब मिलकर जैव विविधता बचाएँगे, सुरक्षित भविष्य बनाएँगे की सामूहिक शपथ के साथ हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने प्रकृति संरक्षण, वन्य जीवों की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए अपने स्तर पर योगदान देने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में डीएफओ जाधव ने कहा कि जैव विविधता केवल पेड़.पौधों और जीव.जंतुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की थीम वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना रखी गई है, जो यह संदेश देती है कि स्थानीय

स्तर पर किए गए छोटे.छोटे प्रयास भी वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नागरिकों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने, जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने, जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा अधिकाधिक पौधारोपण करने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण देने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने प्रकृति, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर बर्ड्स एंड बटरफ्लाई विशेषज्ञ अमर मूलवानी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पक्षियों एवं तितलियों की विभिन्न प्रजातियों तथा उनके संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। वहीं विशेषज्ञ गोपी साहू ने सरीसृप जीवों की उपयोगिता, उनसे जुड़े भ्रम और संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

संलग्नाधिकारी बी के लकड़ा ने कहा कि जैव विविधता हमारे ग्रह का जीवंत ताना.बाना है और इसका संरक्षण मानव अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर बल दिया। कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र अधिकारी सत्य नारायण प्रधान, पंचराम साहू, आकांक्षा बोरकर, ओमकार सिन्हा, के पी जोशी सहित विभागीय अधिकारी.कर्मचारी, संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे।

रिश्वत लेने का ऑडियो वायरल होने के बाद भी प्रशासन खामोश, मामला-भूमि संबंधी कार्य का

धमतरी। सर्वहारा वर्ग की समस्याओं को सुनने और उसके निराकरण के लिये प्रदेश सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय द्वारा इस वर्ष सुशासन तिहार वर्ष 2026 का आयोजन किया गया है जिसके चलते जिला प्रशासन विभिन्न ग्रामों में शिविर लगाकर आगंतुकों के आवेदन के अनुसार समस्याओं का निराकरण कर रहा है जिससे जिलेवासी बेहद प्रसन्न हैं। लेकिन बड़े अफसोस के साथ यह बताना पड़ रहा है कि एक ओर सुशासन की गूंज समूचे जिले में चर्चित है वहीं राजस्व विभाग के कुछ लोगों का ऑडियो वायरल होने से इसकी चहुंओर चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि ऐसे अधिकारी, कर्मचारी जो खुलेआम रिश्वत लेकर काम कर रहे हैं, उन पर लगाम नहीं लगने से ही जिले में भ्रष्टाचार आकंठ तक फैल चुका है। अभी हाल ही में एक और जानकारी प्राप्त हुई है जिसके चलते पटवारी, आरआई द्वारा सीमांकन, बटांकन, खाता विभाजन के नाम पर भारी राशि संबंधित व्यक्तियों से वसूली है जिसका भी ऑडियो अतिशीघ्र प्रसारित होने की

जानकारी प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन, सुशासन तिहार 2026 को लेकर जिले के ग्रामों को क्लस्टर के रूप में बनाकर नियमित रूप से वहां आने वाले आगंतुकों की समस्याओं, मांगों से रूबरू हो रहा है वहीं दूसरी ओर राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों द्वारा सुशासन तिहार के साथ साथ रिश्वतखोरी का भी खुल्लमखुल्ला कार्य किया जा रहा है जिससे शासन, प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है। ऐसा नहीं है कि पिछले दिनों जो ऑडियो में राजस्व विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों का जिला प्रशासन के पास न पहुंचा हो, परंतु न जाने इस गंभीर शिकायत क्यों कार्यवाही अब तक नहीं की जा रही है, यह समझ से परे है। इससे पूर्व भी नगरी के प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी द्वारा 17 फरवरी से 26 फरवरी 2026 तक अनेकों डायवर्सन प्रकरण में आदेश किया गया है जिसमें डायवर्सन के नियमों अर्थात ग्राम नगर निवेश, नगर पंचायत से बिना अनुमति के यह आदेश जारी किया गया है, उसकी शिकायत भी प्रधानमंत्री कार्यालय तक भेजी गई है। शिकायतों पर कार्यवाही नहीं होने के कारण शिकायतकर्ताओं में मायूसी और शिकवा शिकायत भी लगातार जारी है। इनका कहना है कि आखिर निचले क्रम के राजस्व अधिकारियों के खिलाफ की गई गंभीर शिकायतों पर जिला प्रशासन क्यों कार्यवाही नहीं करता? जबकि ऐसे गंभीर शिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेकर संबंधितों पर उचित कार्यवाही किया जाना चाहिये ताकि शासन के सुशासन, जीरो टॉलरेंस का मकसद पूरा हो और ऐसे भ्रष्टाचार करने वाले शासकीय कुछ राजस्व अधिकारियों का देखादेखी अन्य अधिकारी, कर्मचारी इस तरह के कार्य न कर पायें। मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि पिछले दिनों जिन पटवारियों का स्थानांतरण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा किया गया है, उनमें से एक पटवारी जो कि पूर्व में शासकीय अभिलेखों में त्रुटि करने के कारण निलंबित हो चुका है। साथ ही उसके विरूद्ध आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा में भी जांच लंबित है, उसे भी पुनः पुराने स्थान पर पदस्थापना को लेकर तरह तरह की चर्चाएं चर्चित है। इसी के बीच उसके द्वारा भूमि संबंधी कार्य के लिये राशि की मांग का ऑडियो पिछले दिनों खूब वायरल हुआ। यह खबर शासन, प्रशासन तक पहुंची। लेकिन राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा न तो उसकी जांच की गई और न ही कार्यवाही। इससे पता चलता है कि भूमि संबंधी कार्य के लिये लेनदेन व्यापक पैमाने पर चल रहा है। खबर के मुताबिक अभी एक अन्य शिकायत प्राप्त हुई है जिसके चलते संबंधित पटवारी द्वारा भूमि स्वामी से भारी राशि की मांग की गई है। उसकी पेशगी लेने के बाद भी कार्य नहीं होने से संबंधित व्यक्ति व्यथित है। इसका कहना था कि बयाना लेने के बाद भी कार्य नहीं करना और ऊपर से अतिरिक्त राशि का मांग करना इस बात का परिचायक है कि इस लेनदेन में नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों की सहमति होगी, तभी तो ऐसी गंभीर शिकायतों की कोई जांच नहीं होती। शिकायत दे-देकर शिकायतकर्ता मायूस हो चुके है और इन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और चीफ सेक्रेटरी, आयुक्त से इन तमाम शिकायतों की सुध लेकर उसकी जांच करवाने की मांग की है।

नशामुक्ति केन्द्र में 273 हितग्राहियों को मिल चुका लाभ

गरियाबंद। जिले में संचालित एकीकृत नशामुक्ति पुनर्वास केन्द्र में नशे से पीड़ित व्यक्तियों के लिए 01 माह का निःशुल्क पुनर्वास एवं उपचार कराया जा रहा है। यह केन्द्र डाकबंगला वार्ड क्रमांक 08, जनपद पंचायत गरियाबंद के पीछे पिछले 02 वर्षों से संचालित है। केन्द्र संचालक के अनुसार अब तक जिले के कुल 273 हितग्राहियों को नशामुक्ति हेतु 01 माह का पुनर्वास एवं उपचार उपलब्ध कराया जा चुका है, जिससे उन्हें लाभ मिला है तथा वे नशामुक्त हो चुके हैं। यह केन्द्र छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग से मान्यता एवं अनुदान प्राप्त है। केन्द्र में निःशुल्क योग, भोजन, आवासीय सुविधा, कार्डीसलिंग एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। जिले के लोगों से अपील की गई है कि नशे से प्रभावित व्यक्तियों को नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र गरियाबंद में भर्ती कराकर पुनर्वास का लाभ दिलायें। नशामुक्त हुए लाभान्वित व्यक्तियों के परिवारजनों द्वारा छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग एवं शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। योजना संबंधी जानकारी हेतु संस्था के संचालक मनोज कुमार साहू से मोबाइल नंबर 8103509740 पर संपर्क किया जा सकता है।

आयोजित सुशासन तिहार शिविर में अवैध शराब के प्राप्त शिकायत पर आबकारी पुलिस की कार्रवाई,

40 लीटर शराब जब्त

सरायपाली। अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। विकासखंड अंतर्गत ग्राम बालसी में आबकारी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में महुआ शराब और लहान बरामद किया।

जानकारी रात्रिकालीन अभियान के दौरान ग्राम बालसी निवासी सुखचंद रात्रे के घर में छापामार कार्रवाई की गई। जांच के दौरान आरोपी के कब्जे से लगभग 40 लीटर महुआ शराब तथा 34 प्लास्टिक बोरियों में करीब 1700 किलो तैयार महुआ लहान बरामद किया गया। आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसके

अतिरिक्त ग्राम लाती में एक अन्य आरोपी नेपाल भाई के खिलाफ भी आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। वहीं 15 मई 2026 को आयोजित सुशासन शिविर में प्राप्त शिकायत के आधार पर अंबेडकर वार्ड में करण सिंह, राम प्रसाद एवं ललिता रात्रे के खिलाफ भी आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान गठित संयुक्त टीम में आबकारी उप निरीक्षक हृदय कुमार तिरपुड़े, अनिल कुमार झरिया तथा आरक्षक देवेश मांझी, ऋतिकेश बाघ, सुरेंद्र गोलु, छविनाथ, नील एवं कमल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब निर्माण और बिक्री के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पूज्य संत साईं साधराम साहब को बलौदाबाजार में दी गई श्रद्धांजलि

बलौदाबाजार। हिन्द सिंध के महान संत एवं पूज्य गुरुदेव साईं साधराम साहब के ब्रह्मलीन होने पर सिंधी समाज में गहरा शोक व्याप्त है। उनकी पावन स्मृति में 23 मई 2026, शनिवार को सिंधी गुरुद्वारा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष इंद्र कुमार पंजवानी, भारतीय सिंधु सभा के अध्यक्ष एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष शंकर दुलानी, विष्णु दुलानी, अशोक माधव दास पंजवानी, अशोक मेघराज मल, चंद्रपाल परसवानी सच्चानंद गोविंदानी, विमल गोविंदानी,

ताराचंद हेमनानी, गोपाल दास हबलानी, राजेश देवनानी, कन्हैया गोविंदानी बालमुकुंद दुलानी, तारा परसवानी, बंटी दुलानी, धर्मेंद्र दुलानी, मनीष दुलानी, राजेश नागदेव, राजेश हबलानी, अशोक रोहरा, कारा देवनानी, राजेश बलानी, राजकुमार कमलानी, सुरेश परवानी, सतीश परवानी, विजय रोहरा, विक्की दुलानी, काली पंजवानी, दीपेश पंजवानी, मनोज देवनानी, मुकेश दुलानी, अमन दुलानी, वेदा पुरुषवानी नवीन रोहरा सहित काफी संख्या में महिलाएं एवं समाजजन उपस्थित थे। सभा में संत साईं साधराम साहब के आध्यात्मिक जीवन, समाज सेवा एवं मानवता के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए सभी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की।

बस का इंतजार कर रहे नागपुर के गांजा तस्करो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सरायपाली। गांजा तस्कर आये दिन गांजा तस्करी मे नये- नये पैतरा आजमाते आ रहे है और तस्करो के हर नये पैतरो को पुलिस ने नाकाम किया है। विगत दिनों मे एम्बुलेंस, केला परिवहन की आड़ में, मुवर्स एण्ड पैकर्स के बहाने तस्करी कपड़ा फेरीवाले बनकर कपडे के ढेर के नीचे गांजा की तस्करी व इसके अलावा प्रचलित मार्गों से हटकर कच्चे रास्तो से व कम मात्रा मे गान्जा तस्करी के प्लानिंग को महासमुंद पुलिस ने असफल किया है। ओडीसा राज्य से लगे अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट के अलावा अब अंदरुनी मार्गों में भी में एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी पर इंड टू इंड एवं फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने की

दिशा मे लगातार चेकिंग कार्यवाही की जा रही है। इसी दरमियान सूचना मिली की एक महिला व् एक पुरूष मुरमुरी चौक पर दो पिटठू बैग के अंदर गांजा रखकर बस का इंतजार कर रहे है। सूचना पर हमराह स्टाफमुरमुरी चौक पहुंच कर मुखबीर के बताये हुलिया के संदिग्ध व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकडकर पूछताछ करने पर पुरूष ने अपना नाम पराग ध्रुव पिता प्रमोध ध्रुव उम्र 26 साल साकिन शिवगडे कॉलेज प्लाट नं. 177 मुदलियार शान्तिनगर थाना शान्तिनगर जिला नागपुर (महाराष्ट्र) तथा महिला ने अपना नाम सायली मसराम पिता प्रदीप मसराम उम्र 33 साल साकिन पांचपावली रोड गोलपुरा के पीछे महादेव मॉदिर थाना पंचापावली जिला नागपुर (महाराष्ट्र) का निवासी होना बताये। पास रखे दो पीटठू बैग में 6.360 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा रखना बताये एवं उक्त गांजा को जिला बलांगीर उडीसा से जिला नागपुर महाराष्ट्र खुद के लिये ले जाना बताये। जिस पर विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए थाने में आरोपियों से 6.360 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा जब्त, किमती 3,18,000 रुपये एवं 02 नग मोबाईल कीमती 20,000 रूपये, जुमला 3,38,000 /-रूपये को जप्त किया गया है। आरोपीगणो का कृत्य अपराध धारा (20बी) (दो) (बी), एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से आरोपीगणो को विधिवत गिरफ्तार किया जाकर थाना सिंघोडा में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। यह सम्पूर्ण कार्यवाही एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स एवं थाना सिंघोडा पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

आयोग ने विधवा को दिलाई दुर्घटना जीवन बीमा की राशि

बलौदाबाजार। बीमा कंपनी द्वारा पति की दुर्घटना में मृत्यु होने पर विधवा को व्यक्तिगत दुर्घटना जीवन बीमा की राशि प्रदाय नहीं किये जाने के कारण उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार द्वारा बीमा कंपनी को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए परिवादिनी को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के तहत बीमा क्षतिपूर्ति राशि 10 लाख एवं परिवादिनी को मानसिक आर्थिक क्षतिपूर्ति हेतु राशि 10000 तथा वाद-व्यय हेतु 5000 रूपये प्रदाय किये जाने का आदेश किया गया। भाटापारा निवासी परिवादिनी लता साहू के पति ऋषि कुमार साहू का विरोधी पक्षकार छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक अर्जुनी भाटापारा में खाता था जिससे जीवन बीमा के रूप में 500 सालाना प्रीमियम एस. बी. आई. जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड रायपुर द्वारा लिया जाता था। परिवादिनी के पति की मृत्यु दुर्घटना में हो गई जिसकी सूचना विरोधी पक्षकारगण को प्रदाय किया गया। परिवादिनी द्वारा अपने पति का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा राशि का दावा विरोधी पक्षकार को प्रस्तुत किया परन्तु बीमा कंपनी ने मृतक के पोस्ट मार्टम रिपोर्ट में पेट में अल्कोहल होना पाये जाने के आधार पर बीमा दावा राशि निरस्त कर दिया जिससे परिवेदित होकर परिवादिनी द्वारा जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार में परिवाद प्रस्तुत किया गया। आयोग के अध्यक्ष रंजना दत्ता एवं सदस्यगण हरजीत सिंह चांवला व शारदा सोनी ने पेश दस्तावेजों एवं संबंधित नियम आदि का सूक्ष्मता से अध्ययन कर पाया कि शव परीक्षण प्रतिवेदन में बताया गया है सिर्फ शराब की गंध के आधार पर यह विश्वास नहीं किया जा सकता कि मृतक शराब के नशे में था और खुद की देखभाल करने या गाड़ी चलाने में असमर्थ था, पुलिस जांच में भी मृतक की लापरवाही के कारण दुर्घटना होना साबित नहीं हुआ है अपितु जांच में अन्य वाहन चालक की लापरवाही की वजह से दुर्घटना होना साबित हुआ है।

लोहरसी में रंगारंग कार्यक्रम के साथ समर कैंप का समापन

धमतरी। जिला साहू संघ धमतरी के तत्वाधान में खरतूली परिक्षेत्र अंतर्गत झरिया साहू समाज लोहरसी में 10 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच ग्राम पंचायत लोहरसी महेश्वरी गजेंद्र ने साहू समाज द्वारा सर्व समाज के बच्चों के लिए आयोजित समर कैंप की सराहना की एवं आयोजको को शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि जिला साहू संघ कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष गणेश प्रसाद साहू ने समर कैंप को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी बताया। विशिष्ट अतिथि महिला एवं बाल विकास अधिकारी गजानन साहू ने बच्चों को नित नए चीज़ सीखने के लिए प्रेरित किया। खरतुली परिक्षेत्र अध्यक्ष रूपेंद्र गंजीर ने बताया कि समर कैंप का उद्देश्य बच्चों का केवल मनोरंजन करना नहीं बल्कि उन्हें नैतिक मूल्यों की पहचान कर अपने व्यक्तित्व विकास के साथ साथ देश एवं समाज में आगे बढ़ाने की सीख देना है। खरतुली परिक्षेत्र उपाध्यक्ष महेश्वर गंजीर ने बच्चों को आगामी वर्षों में भी ऐसे रचनात्मक आयोजनों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। परिक्षेत्र संरक्षक भरत लाल साहू ने शारीरिक शिक्षा, बौद्धिक विकास व बुरी लतों, बुरे व्यसनों से दूर रहने की सलाह दी। ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमलाल गंगबेर ने प्रतिदिन की गतिविधियों और कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। 10 दिवसीय समर कैंप में ट्रेनर के रूप में विजयलक्ष्मी गंजीर, भरत लाल साहू व अरुण गंजीर का विशेष योगदान रहा। उन्होंने बच्चों को पेपर क्राफ्ट, योगा, पारंपरिक खेल, व्यायाम, रंगोली, मेहंदी क्ले आर्ट इत्यादि प्रकार के रचनात्मक कार्य व कलाकृति बनाना सिखाए। समापन समारोह में नंदकिशोर साहू, खरतुली परिक्षेत्र सचिव उमाशंकर साहू, संगठन सचिव तीर्थराज साहू, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष पंकज गंगबेर, ग्रामीण उपाध्यक्ष दयानंद साहू, महिला उपाध्यक्ष सुनीता गंजीर, महिला संगठन सचिव गीता साहू, संरक्षक भाऊलाल साहू, सरजू राम गंगबेर, हेमू गंगबेर, गौरी साहू, समाज सेवक सांवली राम साहू व बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित हुए।

ज्ञानीजन हमेशा जिनशासन की प्रभावना के लिए तत्पर रहते है-मुनि जी म.सा.

धमतरी। व्याख्यान वाचस्पति परम पूज्य जयानंद मुनि जी महाराज साहेब के सुशिष्य रत्न गणाधीश पन्यास प्रवर श्री विनय कुशल मुनि गणी जी, परम पूज्य नन्दीसेन मुनि जी महाराज साहेब, परम पूज्य पन्यास प्रवर श्री वीरभद्र मुनि गणी जी विराग मुनि जी, परम पूज्य भव्य मुनि जी महाराज साहेब, परम पूज्य सोमभद्र मुनि जी महाराज साहेब, परम पूज्य सुहस्ति भद्र मुनि जी महाराज साहेब, शतावधानी बालमुनि हंसभद्र जी महाराज साहेब श्री पार्श्वनाथ जिनालय इतवारी बाजार में विराजमान है। प्रवचन के माध्यम से परम पूज्य भव्य मुनि जी महाराज साहेब ने फ़रमाया कि आज हम संसार में सुख खोजने का प्रयास कर रहे है जबकि ज्ञानीजन संसार के त्याग में सुख देखते है। हम परिवार का ध्यान रखने की जिम्मेदारी स्वयं की मानते है और जिनशासन की जिम्मेदारी दूसरों पर डाल देते है। कारण यह है कि परिवार को अपना मानते है, प्राथमिकता देते है, किंतु जिनशासन के प्रति अपनत्व नहीं दिखता। जिनशासन के प्रति प्राथमिकता दिखाई नहीं देती। हम संसार में एक अच्छी व्यवस्था स्वयं के लिए और अपने परिवार के लिए चाहते है। लेकिन आत्मा के

अच्छी स्थिति के बारे में सोचते भी नहीं है। जीवन भर धन. धन करते हमारा निधन हो जाता है और जीवन भर कमाया हुआ धन साथ नहीं जाता। वास्तविकता में आज हम जो भी करते है, अपने नाम की प्रसिद्धि के लिए करते है, जिनशासन के लिए नहीं करते। जबकि हमें अपने द्रव्य का सउपयोग साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविका, जिनमंदिर आदि सात क्षेत्रों में करना चाहिए। जिनशासन के प्रति हमारे जीवन में अहोभाव दिन प्रतिदिन कम होते जा रहा है। अगर हमारे जीवन में स्वयं के ऊपर या परिवार में किसी के ऊपर कोई कष्ट आये दुख आए तो उसे दूर करने के लिए हम तत्पर रहते है। जबकि जिनशासन पर कोई कष्ट आये तो हमारी तत्परता दिखाई ही नहीं देती। ज्ञानीजन हमेशा जिनशासन की प्रभावना के लिए तत्पर रहते है। श्रेणिक राजा 70 वर्ष की उम्र से धर्म से जुड़े और 92 साल की उम्र में उनका देहावसान हो गया। अर्थात केवल 22 वर्ष में इस प्रकार धर्म का पालन किया और जिनशासन की प्रभावना की कि स्वयं परमात्मा महावीर अपने अंतिम देशना में उन्हें उत्कृष्ट श्रावक परम आरद कहते है। हमें भी अपने जीवन में धर्म को प्रथम स्थान में रखना चाहिए। ज्ञानीजन कहते है धर्म कार्य में विलंब करना बहुत खतरनाक होता है। संसार में कोई भी सुख धर्म के बिना नहीं मिलता। हमें साधु जीवन कठिन दिखाई देता है किंतु साधु जीवन धर्म से जुड़ने का और शाश्वत सुख प्राप्त करने का मार्ग है।

शास्त्रकार भगवंत ने जीवन में आत्मा के विकास के लिए धर्म को समझाया था किंतु हम स्वयं को छोड़कर सबकी चिंता करते है। विचार कीजिए हमारा क्या होगा। आने वाला भव कैसा होगा। धर्म को केवल पढ़ने वाला और किया जाने वाला क्रिया नहीं समझना चाहिए, बल्कि धर्म को जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। चार प्रकार के धर्म होते है दान, शील, तप और भाव। इनमें से कोई भी धर्म करने के लिए जीवन वैराग्य गुण का होना आवश्यक है। वैराग्य के कारण ही संसार के प्रति आसक्ति आती है साथ ही धर्म और संयम की ओर झुकाव होता है। हम संसार के कार्यों में सुख खोजते है और जीवन भर संसार बढ़ाने वाले कार्य करते है। लेकिन ज्ञानीजन कहते है धर्म में सुख है लेकिन फिर भी धर्म करने का प्रयास भी नहीं करते। ये जो दुर्लभ मानव जीवन हमें मिला है, इसका पल पल हम यूं ही व्यर्थ करते जा रहे है। इस जीवन को हमे निरर्थक करने के स्थान पर सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। परम पूज्य वीरभद्र मुनि गणी जी के 144 उपवास की तपस्या है। तपस्या निमित्त श्री जैन युवा मंडल द्वारा त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें 22 मई को 1 घंटा का सामूहिक नवकार जाप का आयोजन किया गया था। जाप में लगभग 240 श्रावक श्राविका वर्ग उपस्थित रहे। इस एक घंटे के जाप में लगभग 31000 बार नवकार मंत्र का जाप सभी के द्वारा किया गया। 23 मई को सामूहिक सामयिक रखा गया था। प्रवचन के समय लगभग 250 की संख्या में श्रावक श्राविकाओं द्वारा सामूहिक सामयिक किया गया। 24 मई दिन रविवार को सामूहिक पूजा रखा गया था। इस कार्यक्रम में श्री पार्श्वनाथ जिनालय में रानूलाल विनय कुमार पारख के निवास स्थान से श्री आदिश्वर जिनालय गोलबाजार में मदनलाल मनोज कुमार पारख के निवास स्थान से एवं श्री अभिनंदन स्वामी जिनालय, शांति कॉलोनी में धनपत मनीष बरडिया के निवास स्थान से गाजे बाजे के साथ बड़ी संख्या में श्रावक श्राविका पूजा करने जिनालय पहुंचे। तीनों जिनमंदिर में मिलकर लगभग 300 की संख्या में श्रावक श्राविकाओं ने सामूहिक पूजा का लाभ लिया।

उक्त सभी कार्यक्रम में लूणकरण गोलछा, पारसमल गोलछा, धनपत बरडिया, विनय पारख, लक्ष्मीलाल लूनिया, मदनलाल पारख, सुरेश बच्छावत, राहुल सेठिया, धनराज लूनिया, पिंटू डागा, मनीष बरडिया, पिंटू बरडिया, मानक लूनिया, शिशिर सेठिया, कुशल चोपड़ा, महावीर डागा, निशांत बोहरा, महावीर श्रीश्रीमाल, मयूर गोलछा, विजय दुग्गड़, संकेत बरडिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ज्वेलर्स के पुत्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। राजधानी रायपुर के सदर बाजार इलाके में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां ज्वेलर्स अशोक पोद्दार के बेटे प्रवाल सोनी ने अपने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना सदर बाजार स्थित मकान में हुई, जहां मृतक प्रवाल सोनी अपने पिता अशोक पोद्दार के साथ रहता था। बताया जा रहा है कि प्रवाल सोनी ज्वेलरी व्यवसाय से जुड़ा हुआ था और पारिवारिक दुकान का काम देखता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, परिवार में कुछ पुराने विवाद भी चल रहे थे, हालांकि आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों की पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। कोतवाली थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

किराए के मकान में चल रहा था शराब का काला खेल

रायपुर। अवैध शराब कारोबार पर पुलिस ने बड़ा वार करते हुए किराए के मकान में छिपाकर रखी गई 270 पौवा देशी शराब की खेप पकड़ ली और आरोपी को जेल भेज दिया। थाना लालबाग पुलिस और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर ग्राम बरगा में दबिश देकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस को खबर मिली थी कि एक युवक भारी मात्रा में शराब जमा कर इलाके में खपाने की तैयारी कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल के नेतृत्व में टीम सक्रिय हुई और आरोपी के किराए के मकान की घेराबंदी कर तलाशी शुरू की गई। तलाशी के दौरान दो प्लास्टिक बोरियों में छिपाकर रखी गई 270 पौवा देशी प्लेन मदिरा सवा शेरा बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 48.600 बल्क लीटर और कीमत करीब 21 हजार 600 रुपए बताई गई। मौके पर पकड़ा गया आरोपी अभिषेक कुमार यादव पिता मिथलेश कुमार यादव उम्र 25 वर्ष निवासी पेंड्री बस्ती हाल ग्राम बरगा थाना लालबाग जिला राजनांदगांव शराब रखने का कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

फिल्मी अंदाज में गांजा तस्करों पर शिकंजा, दो कारों से डेढ़ क्विंटल गांजा जब्त

रायपुर। जिले की देवभोग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पीछा और घेराबंदी की कार्रवाई के दौरान दो कारों से करीब डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 75 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में एक नाबालिग सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों द्वारा ओडिशा से गांजा लाकर दूसरे राज्यों में खपाने की तैयारी की जा रही थी। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए अपनी गाड़ियों पर लगे मध्य प्रदेश के नंबर प्लेट हटाकर छत्तीसगढ़ के नंबर प्लेट लगा लिए थे।

लेकिन पुलिस को पहले से ही उनकी गतिविधियों की सूचना मिल चुकी थी।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

शिलान्यास के बाद शिलापट्ट नहीं लगा,तो होगी कड़ी कार्रवाई

- समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश, जनप्रतिनिधियों से समन्वय पर ज़ोर
- महिलाओं के लिए महतारी शक्ति ऋण योजना और किसानों को केला, लीची व मत्स्य पालन के लिए प्रोत्साहित करने की रणनीति

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कड़े लहजे में अधिकारियों से कहा कि जशपुर मुख्यमंत्री का गृह जिला है, इसलिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने आज जशपुर जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं और जारी विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि पिछले दस वर्षों की तुलना में वर्तमान सरकार द्वारा जशपुर जिले में रिकॉर्ड संख्या में विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जिन विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन हो चुका है, उनके शिलापट्ट संबंधित गांवों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति में अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं। शिलापट्ट लगाने की पूरी

जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों की होगी। यदि कहीं भी यह शिकायत मिलती है कि शिलापट्ट उपेक्षित पड़ा है या स्थापित नहीं किया गया है, तो जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध तत्काल कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। वित्त मंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दो प्रमुख वर्गों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के तहत मिल रही एक हजार रूपए की मासिक सहायता का उपयोग महिलाएं बच्चों के भविष्य के लिए, समृद्धि सुकन्या योजना जैसी बचत योजनाओं में करें। इसके अलावा स्वरोजगार के लिए महतारी शक्ति ऋण योजना के अंतर्गत कम ब्याज दर पर 25 हजार रूपए तक का ऋण त्वरित उपलब्ध कराया जाए। पारंपरिक खेती से हटकर किसानों को अधिक मुनाफे वाले फ्लोत्पादन (विशेषकर केला और लीची की खेती) तथा आधुनिक मत्स्य पालन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही कृषि विभाग खरीफ सीजन के लिए समितियों में पर्याप्त खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करे।बैठक में कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने जिले में चल रहे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की अद्यतन स्थिति साझा की। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज, शासकीय नर्सिंग कॉलेज, शासकीय प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, क्रिटिकल केयर सेंटर और अखिल भारतीय कल्याण आश्रम द्वारा संचालित अस्पताल का निर्माण तेजी से जारी है। सन्ना विकासखंड के ग्राम पंडरापाठ में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बच्चों के लिए विशेष तीरंदाजी केंद्र का निर्माण शुरू हो चुका है। इसके अतिरिक्त कुनकुरी और जशपुर में नालंदा परिसर तथा सलियाटोली में एडवेंचर स्पोर्ट्स परियोजना पर कार्य चल रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रमुख चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने बताया कि जिले में सोशल मीडिया के माध्यम से एक अनूठा हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

दादर जाने वाली सड़क बनी गड्ढों का जाल.....

रायपुर। शहर के आरएसएस नगर से होकर दादर खुर्द जाने वाली सड़क बदहाली की चरम स्थिति में पहुंच चुकी है। सडक पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे यह पहचान पाना मुश्किल हो जाता है कि यहां सडक है या गड्ढों का जाल। रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह रास्ता किसी खतरे से कम नहीं रह गया है, वहीं चारपहिया वाहन भी धीरे-धीरे और जोखिम उठाकर गुजरने को मजबूर हैं। नागरिकों का कहना है कि सडक की स्थिति लंबे समय से खराब बनी हुई है। कई बार शिकायतें और मांग उठने के बाद कुछ समय पहले संबंधित विभाग और नगर निगम की ओर से सडक सुधार एवं नवीनीकरण का आश्वासन दिया गया था। लोगों को उम्मीद थी कि जल्द ही सडक की मरम्मत शुरू होगी, लेकिन अब तक कोई काम धरातल पर नजर नहीं आया है। रहवासियों का कहना है कि सडक पर बने गड्ढों के कारण आए दिन छोटे-बड़े हादसे होने की आशंका बनी रहती है। खासकर रात के समय और बारिश के दौरान स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो जाती है। स्कूली बच्चे, कर्मचारी और ग्रामीण रोजाना इसी मार्ग से आवागमन करते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक गंभीर पहल नहीं की गई है। अब मानसून सीजन नजदीक आने के कारण लोगों की चिंता और बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि यदि बारिश शुरू होने से पहले सडक की मरम्मत नहीं कराई गई तो गड्ढों में पानी भर जाएगा

केन्द्रीय गृहमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष को चर्चा के लिए समय नहीं दिया-भूपेश बघेल.....

रायपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह लगातार बस्तर दौरे पर आ रहे हैं। कल उनके बस्तर दौरे के दौरान कांग्रेस के खिलाफ यह कहना कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में नक्सल उन्मूलन के लिए कुछ नहीं किया, सफेद झूठ है। बघेल ने पत्रकारवार्ता में गृहमंत्री पर आरोप लगाया कि वे लगातार गलत बयानी कर गलत आंकड़े प्रस्तुत कर रहे हैं। कांग्रेस के समय केवल नारायणपुर एवं सुकमा में ही नक्सलवाद था, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सरकार के 15 वर्षों के कार्यकाल में यह पूरे बस्तर में पहुंचा। भूपेश ने कहा कि केन्द्रीय गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 की तिथि में बस्तर को नक्सलमुक्त करार दिया है। उसके बाद भी वहां पर सीआरपीएफ एवं पैरामिलिट्री फोर्स मौजूद क्यों है। नक्सल

समाप्ति की घोषणा के बाद हमारे 17 जवान और शहीद हुए हैं। उन्होंने केन्द्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि बस्तर को अडानी, अंबानी के हाथों की बेचने की तैयारी चल रही है जिसका कांग्रेस जन आंदोलन कर कड़ा विरोध करेगी। बस्तर में नगरनार प्लांट को निजी हाथों में सौंपने का कांग्रेस ने विरोध किया है। जिस तरीके से केन्द्रीय उपक्रमों का निजीकरण किया जा रहा है उससे देश की आर्थिक स्थिति बदहाल हो रही है। ईंधन समस्या पर भी प्रधानमंत्री गलत बयानी कर रहे हैं। गहना-जेवर न खरीदने की अपील कही न कहीं केन्द्र सरकार की आर्थिक नीति के असंतुलन होने का प्रमाण है। रूस भारत को कम कीमत पर तेल देने को तैयार है तो प्रधानमंत्री पुतीन से बाद क्यों नहीं करते। पुलिस कमिश्नर प्रणाली की चर्चा करते हुए बघेल ने कहा कि ये सेवा निवृत्त अधिकारियों को उपकृत करने का प्रयास है। उन्हें अधिकार नहीं दिए गए हैं और पुलिस कमिश्नर प्रणाली रायपुर में लागू होने के बाद भी अपराधों में वृद्धि हुई है। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि भाजपा की सरकार देश के लिए बर्बादी के हालात पैदा कर रही है। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को अमित शाह ने अपने दौरे के दौरान मिलने के लिए समय नहीं दिया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी करेगी अखिल भारतीय क्रिकेट और टेबल टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी

- अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड की 48 वीं वार्षिक बैठक संपन्न

रायपुर/ संवाददाता

अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड की 48 वीं वार्षिक साधारण सभा की दो दिवसीय बैठक रविवार को संपन्न हुई। बैठक में आगामी वर्ष के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज को अखिल भारतीय क्रिकेट और टेबल टेनिस प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी गई। 23 और 24 मई को रायपुर में आयोजित दो दिवसीय बैठक में देश भर की विद्युत कंपनियों एवं विद्युत मंडलों के इस वर्ष के खेल कैलेंडर तथा वित्तीय लेखा - जोखा का अनुमोदन किया गया । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं छत्तीसगढ़ केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार कटियार ने बैठक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की ऊर्जा जरूरत को पूरा करने वाले विद्युत कर्मियों के बीच एक सकारात्मक वातावरण निर्माण में खेल स्पर्धाओं का बड़ा महत्व है और ऐसे में सभी पॉवर कंपनियों को जिम्मेदारी पूर्वक राष्ट्रीय स्तर पर खेल गतिविधियों का आयोजन करना चाहिए। उन्होंने एआईईएससीबी के पदाधिकारियों को बीते वर्ष अखिल भारतीय स्तर पर पॉवर सेक्टर कर्मियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए बधाई दी। ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री के एस मनोठिया ने बताया कि एजीएम के दौरान वित्त वर्ष 2025-26 का लेखा - जोखा प्रस्तुत करने के साथ ही अन्य विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई जिससे आगामी वर्ष में अखिल भारतीय विद्युत खेल स्पर्धाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया जा सके। श्री मनोठिया ने बैठक में इस बात पर जोर दिया कि बीते वर्ष में जिन खेलों की राष्ट्रीय स्पर्धा नहीं हो सकी हैं उन मेजबानों द्वारा प्राथमिकता से ये स्पर्धाएं आयोजित की जाए। खेलों के आयोजन से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है और रचनात्मक वातावरण का निर्माण होता है। वर्ष 2026-27 के लिए अखिल भारतीय खेल स्पर्धाओं की मेजबानी का अवसर विभिन्न पावर कंपनियों एवं विद्युत मंडलों को दिया जाना प्रस्तावित किया गया। इसमें क्रिकेट और टेबल टेनिस की मेजबानी छत्तीसगढ़ को, एथलेटिक्स, बॉल बैडमिंटन, कैरम और बास्केटबॉल की मेजबानी आंध्र प्रदेश, शतरंज की असम, कबड्डी की तेलंगाना, पॉवर लिफ्टिंग और बॉडीबिल्डिंग की कर्नाटक।

भूपेश से खुद कुर्सी नहीं संभल पाई और जनता ने उन्हें सत्ता से उखाड़ फेंक दिया

- जहां-जहां कांग्रेस की सरकार होती है, वहां वहां कांग्रेसी फेंके सिक्के बीनने पहुंच जाते हैं - नलिनीश ठोकने

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पर जो गलत टिप्पणी की है वह निंदनीय है। भूपेश बघेल शुरू से ही अपनी गंदी जुबान के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भाषा की मर्यादा पूरी तरह लांघ दी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि जनाजे की बात तो सबसे अधिक युवा प्रौढ़ राहुल गांधी पर फबती है। पूरी कांग्रेस पार्टी का जनाजा निकाल बैठे राहुल गांधी को कांग्रेस कार्यकर्ता कब तक ढोते रहेंगे पता नहीं ? उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल जैसे कांग्रेसी नेताओं की बखत जनाजे के ऊपर से फेंके पैसे को उठाने वालों की तरह हो गई है। जहां-जहां कांग्रेस सरकार बनती है वहां से कांग्रेसी अपना गुजारा करने की सोच रखते हैं। जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी तब कई कांग्रेसियों का पेट छत्तीसगढ़ के लुटे हुए पैसों से भरता था। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल राहुल गांधी को समझाएं कुर्सी और जनाजे का मतलब क्योंकि जनाजे पर फेंके पैसे को उठाने का काम भूपेश बघेल को अच्छा आता है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि आपदा को अवसर बनाकर लूटने वाली कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को नसीहत न दे। केंद्र एवं राज्य में जब-जब कांग्रेस की सरकार आई तब-तब देश को लूटने का काम कांग्रेसियों ने किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की जनता की गाढ़ी कमाई को लूटकर अपने आला कमान को खुश करने के लिए समर्पित कर दिया और प्रदेश की जनता को आपदा में झोंक दिया।

महतारी वंदन योजना बनी भविष्य का सहारा

रायपुर। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनके परिवार और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने में सहायक सिद्ध हो रही है। सुशासन तिहार के अंतर्गत बलौदबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने योजना की हितग्राहियों से संवाद कर उनके अनुभव जाने। हितग्राही श्रीमती रुखमनी पाल ने बताया कि उनके पति दिलेश्वर पाल मजदूरी कार्य करते हैं और परिवार की आय सीमित है। महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त होने वाली राशि को वे अपनी दो बेटियों के भविष्य के लिए जमा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि योजना से मिलने वाली सहायता ने उन्हें आर्थिक संबल दिया है तथा बच्चों की पढ़ाई और आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। इसी तरह योजना की एक अन्य हितग्राही श्रीमती धनमता पाल ने भी बताया कि उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो रही है। उनके पति होरीलाल पाल मजदूरी का कार्य करते हैं। धनमता पाल ने बताया कि वे इस राशि को अपने दो बच्चों के नाम पर जमा कर रही हैं ताकि भविष्य में उनकी शिक्षा और जरूरतों के लिए आर्थिक परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी चिंता बनी रहती थी।

लक्ष्मणगढ़, शंकरपुर, कुमदेवा और सायर में मंदिर विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

धार्मिक पर्यटन बढ़ने से स्थानीय स्तर पर पैदा होंगे रोजगार के अवसर

- छत्तीसगढ़ की धार्मिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध- धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री तथा अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम लक्ष्मणगढ़, शंकरपुर, कुमदेवा एवं सायर में विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ संपन्न हुए इन कार्यक्रमों के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखा गया।ग्राम लक्ष्मणगढ़ में सुआहारिन मंदिर, ग्राम शंकरपुर एवं कुमदेवा में शिव मंदिर तथा ग्राम सायर में मंदिर जीर्णोद्धार कार्यों के शुभारंभ अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मंदिर हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ऐसे धार्मिक कार्य समाज में श्रद्धा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को और अधिक मजबूत करने का काम करते हैं। मंत्री श्री अग्रवाल ने रेखांकित किया कि राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक विरासत को सहेजने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंदिरों के जीर्णोद्धार और विकास से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर विकास की गति तेज होगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। धार्मिक स्थलों का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों और गौरवशाली संस्कृति से जोड़ने का एक सशक्त

माध्यम बनता है। कार्यक्रम के अंत में धर्मस्व मंत्री ने भगवान भोलेनाथ और क्षेत्र की आराध्य शक्तियों की पूजा कर समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की मंगलकामना की। उन्होंने क्षेत्र की निरंतर उन्नति के लिए ईश्वर से आशीर्वाद भी मांगा। विभिन्न गांवों में आयोजित इन कार्यक्रमों को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह था। ग्रामीणों ने मंदिर जीर्णोद्धार के इस ऐतिहासिक कार्य के लिए राज्य सरकार और मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

आत्मविश्वास, धैर्य और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित हो रहे देश और प्रदेश के अभ्यर्थियों को पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया है। अपने संदेश में मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा केवल आपके ज्ञान का आंकलन नहीं है, बल्कि यह आपके धैर्य, कड़े अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम की भी परीक्षा है। देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे ये सभी युवा अभ्यर्थी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। मंत्री श्री अग्रवाल ने अभ्यर्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि परीक्षा का यह दिन वर्षों की कठिन मेहनत, समर्पण और संघर्ष के महत्वपूर्ण पड़ाव का परिणाम है। अभ्यर्थियों ने जिस लगन और प्रतिबद्धता के साथ इस मुकाम तक का सफर तय किया है, वह स्वयं में बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे परीक्षा कक्ष में स्वयं पर अटूट विश्वास रखें तथा शांत मन और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ परीक्षा दें। जीवन के व्यावहारिक दर्शन को साझा करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा, जीवन में बड़ी उपलब्धियां निरंतर प्रयास, दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच से ही प्राप्त होती हैं। यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता पाने के लिए मानसिक संतुलन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अभ्यर्थियों को तनावमुक्त रहने की सलाह देते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के दबाव में आए बिना पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

संपादकीय

तकनीक की तरक्की और ठगी का जाल

हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती। इसमें कोई दोराय नहीं कि आधुनिक तकनीक की दुनिया में डिजिटल सेवाओं ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाया है और आज कई तरह की सुविधाएं आम लोगों की पहुंच में हैं। उम्मीद यह भी की गई थी कि जैसे-जैसे सामान्य कामकाज में डिजिटल संसार का दखल बढ़ेगा, वैसे-वैसे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर काबू पाना आसान होगा। काफी हद तक ऐसा हुआ भी है, मगर इसके समांतर इसी डिजिटल तंत्र के दायरे में अपराध के नए स्वरूप विकसित हुए और आज यह भारत सहित दुनिया भर में एक नई चुनौती बनते जा रहे हैं। पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने शुक्रवार को अब तक के सबसे बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश करने का दावा किया, जिसमें काल सेंटर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। फर्जी कंपनी चलाने वाले और ठगी में शामिल एक सौ बत्तीस लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। खबरों के मुताबिक, इस गिरोह में शामिल लोग दूर बैठे कंप्यूटर तक पहुंच हासिल करते थे या फर्जी वायरस और सुरक्षा चेतावनी के जरिए विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे। लोगों को ई-मेल और बैंक खाते में सेंध लगने का डर दिखा कर उनसे भारी राशि की ठगी की जाती थी। जाहिर है, डिजिटल दुनिया में जिन आधुनिक तकनीकों को लोगों के जीवन को आसान बनाने और उनकी आर्थिक गतिविधियों को सुरक्षित बनाने के लिए ज्यादा बेहतर बताया जाता है, उसी में अब अपराध का ऐसा संजाल खड़ा हो चुका है, जिसमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। पिछले कुछ समय से खासतौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों में खासी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें दूर बैठे अपराधी सिर्फ स्मार्टफोन पर वीडियो काल के जरिए किसी व्यक्ति को एक तरह से बंधक बना लेते हैं और डरा-धमका कर भारी रकम वसूल लेते हैं। हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती। सच यह है कि इस क्षेत्र में अपराध का दायरा जितना विस्तृत और जटिल होता जा रहा है, उसके मुकाबले सुरक्षा या बचाव के साथ-साथ अपराध पर काबू पाने के इंतजाम नाकाफी हैं।

'आर्थिक स्वराज' की सिद्धि का राष्ट्र मंत्र

भारत आज विश्व की सबसे तीव्र गति से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में सम्मिलित है। उद्योगों का विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, परिवहन की आवश्यकता और ऊर्जा की निरंतर बढ़ती मांग ने पेट्रोलियम पर हमारी निर्भरता को अत्यधिक बढ़ा दिया है। स्थिति यह है कि भारत अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसका अर्थ यह है कि देश की ऊर्जा व्यवस्था का बहुत बड़ा भाग विदेशी बाजारों, वैश्विक संघर्षों और अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों की अस्थिरता पर निर्भर है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव भारतीय अर्थतंत्र पर पड़ता है। पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का व्यय बढ़ता है और अंततः महंगाई आम नागरिक तक पहुंचती है। एक प्रकार से तेल केवल ईंधन नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की धमनियों में बहने वाला रक्त है। यदि यह रक्त अत्यधिक महंगे आयात पर निर्भर रहेगा, तो आर्थिक शरीर पर दबाव स्वाभाविक है।

(प्रणय विक्रम सिंह)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोलियम और स्वर्ण की खपत को संयमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं है, बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा, रणनीतिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक वित्तीय स्थिरता से जुड़ा हुआ दूरदर्शी राष्ट्रीय चिंतन है।

पहली दृष्टि में यह विषय सामान्य प्रतीत हो सकता है, किंतु इसकी गहराई में उतरने पर स्पष्ट होता है कि भारत की अर्थव्यवस्था पर सबसे अधिक दबाव डालने वाले दो प्रमुख आयात कच्चा तेल और स्वर्ण ही हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री का यह संदेश मात्र बचत का आग्रह नहीं, बल्कि आर्थिक स्वराज की सिद्धि का राष्ट्रमंत्र है।

भारत आज विश्व की सबसे तीव्र गति से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में सम्मिलित है। उद्योगों का विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, परिवहन की आवश्यकता और ऊर्जा की निरंतर बढ़ती मांग ने पेट्रोलियम पर हमारी निर्भरता को अत्यधिक बढ़ा दिया है। स्थिति यह है कि भारत अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसका अर्थ यह है कि देश की ऊर्जा व्यवस्था का बहुत बड़ा भाग विदेशी बाजारों, वैश्विक संघर्षों और अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों की अस्थिरता पर निर्भर है।

जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव भारतीय अर्थतंत्र पर पड़ता है। पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का व्यय बढ़ता है और अंततः महंगाई आम नागरिक तक पहुंचती है। एक प्रकार से तेल केवल ईंधन नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की धमनियों में बहने वाला रक्त है। यदि यह रक्त अत्यधिक महंगे आयात पर निर्भर रहेगा, तो आर्थिक शरीर पर दबाव स्वाभाविक है।

इसी प्रकार स्वर्ण के प्रति भारतीय समाज का भावनात्मक और सांस्कृतिक आकर्षण भी हमारी वित्तीय संरचना को गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा स्वर्ण उपभोक्ता है और अपनी आवश्यकता का लगभग पूरा सोना विदेशों से आयात करता है। विवाह, परंपराएं, निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा, इन सभी कारणों से भारत में सोने की मांग लगातार बनी रहती है। लेकिन इसका आर्थिक पक्ष अत्यंत गंभीर है।

जब भारत भारी मात्रा में सोना खरीदता है, तो उसके बदले विदेशी मुद्रा विशेषकर अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना पड़ता है। यही स्थिति तेल के साथ भी है। परिणामस्वरूप देश का बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार निरंतर बाहर जाता है।

विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी राष्ट्र की आर्थिक सुरक्षा कवच की तरह होता है। यही भंडार संकट के समय आयात, अंतरराष्ट्रीय भुगतान और वित्तीय स्थिरता को संभालता है। यदि यह भंडार अत्यधिक दबाव में आए, तो रुपए की कीमत कमजोर होने लगती है, आयात महंगे हो जाते हैं और वैश्विक बाजार में देश की आर्थिक साख प्रभावित होती है।

यही कारण है कि प्रधानमंत्री का यह आह्वान सिर्फ 'कम खर्च' का संदेश नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक अनुशासन का अभियान है। यदि भारत पेट्रोलियम की खपत और स्वर्ण के प्रति अंधाधुंध निवेश प्रवृत्ति को नियंत्रित कर सके, तो आयात बिल में भारी कमी लाई जा सकती है। आयात बिल में होने वाली इस अरबों डॉलर की बचत का उपयोग देश के आंतरिक विकास, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक सैन्य सशक्तिकरण, उन्नत शिक्षा और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं में किया जा सकेगा।

महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को केवल युद्ध का ही नहीं, बल्कि 'संयमित कर्म' का भी उपदेश दिया था। भारतीय चिंतन में संसाधनों का अनियंत्रित उपभोग कभी आदर्श नहीं माना गया। यही कारण है कि हमारी सभ्यता ने 'यज्ञ' की अवधारणा दी, जहां व्यक्ति केवल अपने लिए नहीं, बल्कि व्यापक लोककल्याण के लिए त्याग और अनुशासन अपनाता है। पेट्रोलियम, स्वर्ण और विदेशी मुद्रा संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान भी उसी 'राष्ट्रयज्ञ' का आधुनिक स्वरूप है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सजग भागीदारी आवश्यक है।

भारतीय समाज में सोने को एक सुरक्षित निवेश माना जाता है, किंतु आर्थिक दृष्टिकोण से तिजोरियों और लॉकरों में बंद यह सोना एक 'डेड इन्वेस्टमेंट' (निष्क्रिय निवेश) है, जो देश के आर्थिक चक्र में कोई योगदान नहीं देता। यहीं भारतीय निवेश प्रवृत्ति पर पुनर्विचार की आवश्यकता सामने आती है। यदि देश का नागरिक सोने के भौतिक उपभोग को कम करे या इसके विकल्प के रूप में सरकार के 'सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड' जैसे डिजिटल साधनों को अपनाए, तो वह पैसा देश के बैंकिंग सिस्टम और विकास कार्यों में लगा रहेगा। यह दृष्टि भारत को निष्क्रिय संचय से उत्पादक निवेश की दिशा में ले जाने का प्रयास है।

'देखो अपना देश' और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने का आग्रह भी इसी व्यापक आर्थिक दृष्टि का हिस्सा है। हर वर्ष करोड़ों भारतीय विदेश यात्राओं पर विशाल मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करते हैं। यदि उसी खर्च का एक बड़ा भाग भारत के पर्यटन स्थलों काशी, अयोध्या, केदारनाथ, लक्षद्वीप, अंडमान, पूर्वोत्तर, राजस्थान, कच्छ, केरला या हिमालयी क्षेत्रों पर हो, तो उसका सीधा लाभ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा।

घरेलू पर्यटन महज यात्रा नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था का जीवन-तंत्र है। इससे होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार, रेस्तरां, गाइड, टैक्सी चालक और छोटे व्यापारी सभी सशक्त होते हैं। एक पर्यटक केवल पैसा खर्च नहीं करता, वह स्थानीय रोजगार को गति देता है। इस दृष्टि से यह आह्वान 'देश का पैसा देश में' रखने का आर्थिक मंत्र भी है।

भारत के इतिहास में ऐसे राष्ट्रीय आह्वानों की एक गौरवपूर्ण परंपरा रही है। जब-जब देश चुनौतियों से घिरा, तब-तब नेतृत्व ने केवल शासनादेश नहीं दिए, बल्कि जनचेतना को जगाने का प्रयास किया। लाल बहादुर शास्त्री का वह ऐतिहासिक आह्वान आज भी स्मरणीय है, जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था और उन्होंने राष्ट्रहित में सप्ताह में एक दिन उपवास रखने का आग्रह किया था। वह केवल भोजन बचाने की अपील नहीं थी, वह आत्मसंयम, अनुशासन और राष्ट्र के लिए व्यक्तिगत सुविधा का त्याग करने की भारतीय परंपरा का जागरण था। देशवासियों ने भी उसे आदेश नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व के रूप में स्वीकार किया। घरों में चूल्हे कम जले, होटलों ने भोजन परोसना बंद किया और समाज ने यह सिद्ध किया कि भारत केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलता है।

इसी प्रकार समय-समय पर देश के नेतृत्व ने स्वदेशी, बचत, आत्मनिर्भरता और उत्पादन बढ़ाने जैसे आह्वानों के माध्यम से जनता को राष्ट्रनिर्माण में सहभागी बनाया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश उसी राष्ट्रीय परंपरा का आधुनिक विस्तार है। अंतर केवल परिस्थितियों का है, तब चुनौती खाद्यान्न की थी, आज चुनौती ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा संरक्षण और आर्थिक आत्मनिर्भरता की है। किंतु दोनों के मूल में 'राष्ट्रप्रथम' का ही भाव है।

भारतीय राष्ट्रचिंतन में आत्मसंयम और आत्मनिर्भरता की यह परंपरा केवल राजनीतिक नीतियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसे सभ्यतागत दृष्टि के रूप में देखा गया।

महात्मा गांधी ने स्वराज को केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन के रूप में नहीं देखा था। उनके चिंतन में स्वराज, ग्राम स्वराज और आर्थिक स्वराज एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए थे। उनका मानना था कि जब गांव आत्मनिर्भर होंगे, स्थानीय उत्पादन सशक्त होगा, संसाधनों का संयमित उपयोग होगा और राष्ट्र आर्थिक रूप से बाहरी निर्भरता से मुक्त होगा, तभी वास्तविक स्वराज की स्थापना संभव होगी।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आत्मनिर्भर भारत, 'वोकल फॉर लोकल', स्थानीय पर्यटन, ऊर्जा संरक्षण और स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से उसी आर्थिक स्वराज की आधुनिक अवधारणा को मूर्त रूप दे रहे हैं। वे केवल नीतियों के निर्माता नहीं, बल्कि आधुनिक भारत में आर्थिक स्वराज के शिल्पकार हैं। वास्तव में पूर्ण स्वराज का रास्ता आर्थिक स्वराज और ग्राम स्वराज से होकर ही निकलता है।

इसके अतिरिक्त यह पहल भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता से भी जुड़ी हुई है। ऊर्जा और विदेशी मुद्रा पर अत्यधिक बाहरी निर्भरता किसी भी राष्ट्र को वैश्विक दबावों के प्रति संवेदनशील बना देती है। यदि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, युद्ध, प्रतिबंध या आर्थिक संकट उत्पन्न होते हैं, तो तेल और डॉलर पर निर्भर राष्ट्रों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता और विदेशी मुद्रा संरक्षण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय भी है।

प्रधानमंत्री की यह सोच उसी व्यापक 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टि का हिस्सा है, जिसमें भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर वैश्विक शक्ति बनकर उभरे। यह आह्वान भारतीयों को यह समझाने का प्रयास भी है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों से नहीं होता, नागरिकों की जीवनशैली, उपभोग की आदतें और आर्थिक अनुशासन भी उसमें समान रूप से भागीदार होते हैं। यदि देश का नागरिक अनावश्यक ईंधन की खपत कम करे, स्थानीय उत्पादों को अपनाए, विवेकपूर्ण निवेश करे और भारत के भीतर पर्यटन को बढ़ावा दे, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं रहेगा, बल्कि राष्ट्रहित का सक्रिय योगदान बन जाएगा।

वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश अर्थव्यवस्था के माध्यम से राष्ट्रशक्ति को सुदृढ़ करने का आह्वान है। यह भारत को भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों, वैश्विक आर्थिक अस्थिरताओं और विदेशी निर्भरता से मुक्त कर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और स्थायी आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में उठाया गया दूरदर्शी कदम है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

'अच्छे दिन' से 'संकट की घड़ी' तक? अब जनता से संयम की अपेक्षा

(तवलीन सिंह)

भारत में अंग्रेज जब राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने लिए बनाए थे बड़े-बड़े घर, ताकि उनकी शान हम गुलामों में बढ़ जाए। इन मकानों में 1947 में रहने लगे हमारे जन प्रतिनिधि और अब ऐसी आदत पड़ी हुई है शान से रहने की कि कोई बहुत ही साहसी प्रधानमंत्री होगा जो इस आदत को छोड़ सकेगा।

काश चुनावों का मौसम थोड़ा और लंबा होता। उसके खत्म होते ही प्रधानमंत्री ने चेताया हमको कि अच्छे दिन अभी रूई की बत्ती की तरह उड़ गए हैं और बुरे दिनों की तैयारी हम सबको करनी होगी। एक साल तक रहेंगे मायूसी और तंगी भरे ये दिन, जिनमें न हम किसी खुशी के मौके पर सोना खरीद सकेंगे, न विदेश यात्राएं कर सकेंगे, न कोई दूसरे तरीके से विदेशी मुद्रा इस्तेमाल कर सकेंगे। ऊपर से आग्रह यह भी किया प्रधानमंत्री ने कि जहां तक हो सके, हम घर से काम करने का प्रयास करें और अगर बाहर जाना ही है कहीं, तो निजी गाड़ियों के बदले बस, टैक्सी या मेट्रो से जाएं। निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करना ही है, तो 'कारपूलिंग' करें। यह सुझाव है मध्यवर्ग लोगों के लिए। गरीब किसानों के लिए सुझाव यह था प्रधानमंत्री का कि कीमती खाद, जिसका आयात विदेशों से होता है, उसको त्याग कर खेती पुराने तरीकों से करना शुरू करें। जिस तरह विदेश से आयात की हुई महंगी रासायनिक खाद के आने से पहले होती थी। प्रधानमंत्री शायद भूल गए यह सुझाव देते हुए कि वह ऐसा दौर था, जब भारतीय किसानों का उत्पाद इतना थोड़ा था कि हमको विदेशों से अनाज मंगवाना पड़ता था। मेरी उमर के लोग भूले नहीं हैं वह दौर जब समंदर के रास्ते आता था गेहूं और धान।

प्रधानमंत्री शायद यह भी भूल गए थे कि श्रीलंका में जब राजपक्षे बंधु राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने किसानों को यही सुझाव दिया था और परिणाम यह हुआ कि अनाज के दाम इतने बढ़ गए थे कि क्रांति पर उतर आए थे श्रीलंका के लोग। याद कीजिए वे नजारे, जिनमें आम लोगों ने राष्ट्रपति के महल में घुस कर तोड़फोड़ और लूटपाट की थी। यह वर्ष 2022 की बात है सो शायद आपको भी याद होगा कि राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़ कर भागना पड़ा था। विनम्रता से प्रधानमंत्री से आग्रह करती हूं कि यह वाला सुझाव वापस ले लें।

सुझाव मेरी तरफ से और भी हैं, बिल्कुल वैसे जैसे प्रधानमंत्री ने अपने काफिले की गाड़ियां कम करने का फैसला किया है। उनको अब अपने मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को भी आदेश देना चाहिए कि पेट्रोल-डीजल की किल्लत इतनी है अब कि उनको कोशिश करनी चाहिए कि अपने काफिले को बंद कर एक ही गाड़ी में अपने सुरक्षा कर्मियों को बिठा कर सफर करें। भारत में बड़े काफिलों की आदत डाल रखी है हमारे राजनेताओं ने, लेकिन ऐसा विकसित पश्चिमी देशों में नहीं होता है। अक्सर वहां के राजनेता जब अपने घर से दफ्तर जाते हैं, तो उनकी एक गाड़ी होती है, दस नहीं। कई देशों में तो प्रधानमंत्री मेट्रो से जाते हैं। संकट की घड़ी में नेतृत्व की सख्त जरूरत होती है, तो प्रधानमंत्री आप दिखाइए कि सरकारी खर्चा आप कितना कम कर सकते हैं।

मैंने पहले भी कहा है बहुत बार कि विकसित लोकतांत्रिक देशों में जन प्रतिनिधियों को सरकारी कोठियां नहीं मिलती हैं। अपनी तनख्वाह से ढूंढते हैं अपने लिए किराए के आवास। अपनी तनख्वाह से खर्च करते हैं पैसे गैस, फोन, पानी और बिजली पर। ऐसा हमारे देश में इसलिए नहीं हुआ है, क्योंकि नेहरूजी बहुत प्रभावित थे सोवियत संघ से, सो उसकी नकल करने का फैसला किया उन्होंने। रूस और चीन जैसे तानाशाह कम्युनिस्ट देशों में होता यह है कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति रहते हैं असली महलों में, जहां पहले रहते थे बादशाह और राजा। जबकि जनता को रहना पड़ता है झुग्गी बस्तियों में।

जब लोकतंत्र नहीं होता है, तो सवाल करने वाले भी नहीं होते हैं। भारत में अंग्रेज जब राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने लिए बनाए थे बड़े-बड़े घर, ताकि उनकी शान हम गुलामों में बढ़ जाए। इन मकानों में 1947 में रहने लगे हमारे जन प्रतिनिधि और अब ऐसी आदत पड़ी हुई है शान से रहने की कि कोई बहुत ही साहसी प्रधानमंत्री होगा जो इस आदत को छोड़ सकेगा। आप कर सकते हैं क्या?

संकट की घड़ी में साहस दिखाने की जरूरत है। संकट अभी शुरू ही हुआ है। आगे-आगे देखते रहिए होगा क्या। डोनाल्ड ट्रंप चीन गए शी जिनपिंग से मिलने, लेकिन जाने से पहले उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान युद्ध के बारे में वे बात नहीं करना चाहते हैं शी से बावजूद इसके कि इस युद्ध को रोक सकता है कोई तो सिर्फ चीन। सो युद्ध लंबा चलने वाला है। इसका सबसे अधिक नुकसान होने वाला है भारत जैसे देशों में जो पूरी तरह तेल के लिए निर्भर हैं विदेश से आयात पर। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर मंदी छाने के आसार दिख रहे हैं, लेकिन इस मंदी का असली नुकसान हमको देखना पड़ेगा अपने देश में।

प्रधानमंत्री मोदी खुद निकले हुए हैं विदेशी दौरे पर जिसकी योजना शायद बहुत पहले बनाई गई थी, लेकिन वे जानते हैं अच्छी तरह कि उनके मंत्रियों के बच्चे पढ़ते हैं अमेरिका और यूरोप में और गर्मियों के मौसम में मंत्रियों की एक पूरी टोली निकल पड़ती है इन देशों की तरफ। जाते हैं सरकारी काम का बहाना करके, लेकिन असली मकसद है अपने बच्चों से मिलना और उनके साथ सैर-सपाटा करना। अनुमान लगाया जाता है कि मोदी के मंत्रिमंडल में कोई बीस मंत्री ऐसे हैं जिनके बच्चे विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। अपनी तरफ से यह कहना चाहती हूं कि मेरी जानकारी में शायद एक भी बड़ा राजनेता या आला अधिकारी नहीं है, जिनके बच्चे किसी महंगी विदेशी कालेज में दाखिल न हुए हों। इनके पास पैसे कहां से आते हैं अपने बच्चों को इतनी महंगी शिक्षा दिलाने के लिए, मैं नहीं जानती।

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ।

(ललित गर्ग)

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में जी-2 यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर चाइना प्लस वन रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार है)।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इनकमिंग से आउटगोइंग तक, अब हर फाइल ई-ऑफिस पर ग्रीन ऑफिस की ओर बड़ा कदम : केदार कश्यप

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ सरकार प्रशासनिक कार्यप्रणाली को डिजिटल और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में लगातार कदम बढ़ा रही है। इसी कड़ी में वन मंत्री केदार कश्यप ने अपने कार्यालय के दैनिक प्रशासनिक कार्यों, फ़ाइल संचालन और पत्राचार को पूर्णतः ई-ऑफिस प्रणाली से संचालित करने का निर्णय लिया है। वन मंत्री ने बताया कि पहले विभागों से प्राप्त होने वाली फ इलें अनुमोदन के लिए ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से मंत्री कार्यालय तक पहुंचती थीं, लेकिन अब मंत्री कार्यालय से जारी होने वाली फाइलें, आदेश और डाक प्रेषण की प्रक्रिया भी पूरी तरह ई-ऑफिस के जरिए की जा रही है। मंत्री कार्यालय का सम्पूर्ण पत्राचार अब डिजिटल माध्यम से संचालित होगा।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल प्रशासनिक सुविधा बढ़ाना नहीं, बल्कि ईंधन की बचत, अनावश्यक परिवहन में कमी और हरित कार्यालय संस्कृति को बढ़ावा देना भी है। फाइलों एवं दस्तावेजों के भौतिक परिवहन में कमी आने से सरकारी वाहनों के उपयोग और विभागीय आवागमन में कमी आएगी, जिससे ईंधन की बचत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी घटेगा।

केदार कश्यप ने कहा कि ऑनलाइन बैठकों को बढ़ावा, डिजिटल कार्यप्रणाली, ऊर्जा दक्षता तथा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग जैसे कदम शासन को अधिक परिणाममुखी और पर्यावरण अनुकूल बनाएंगे। इससे समय की बचत के साथ प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता भी मजबूत होगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम सुशासन' के मंत्र के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार तकनीक आधारित सुशासन की दिशा में आगे बढ़ रही है। शासन का उद्देश्य उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग जनकल्याण, विकास कार्यों और दूरस्थ क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाने में करना है। वन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

इसी क्रम में विभागीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है।अंत में उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वे ई-ऑफिस एवं मितव्ययिता संबंधी निर्देशों को सकारात्मक सोच के साथ अपनाएं। संसाधनों की बचत और पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

एनएसयूआई द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

नारायणपुर। NEET पेपर लीक मामले में आज NSUI नारायणपुर द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकालकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने "BAN NTA", 'पेपर लीक बंद करो', 'छात्रों का भविष्य लौटाओ' जैसे नारे लगाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

NSUI नारायणपुर ने आरोप लगाया कि देश के लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है। वर्षों तक कठिन मेहनत और संघर्ष करने वाले छात्र आज भ्रष्ट व्यवस्था और पेपर लीक जैसे घोटालों के कारण मानसिक तनाव झेलने को मजबूर हैं। हश्चश्चञ्च परीक्षा में हुई धांधली ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है और केंद्र सरकार व हञ्च छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। लगातार पेपर लीक की घटनाओं से गरीब, मध्यम वर्गीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के सपने टूट रहे हैं। इस दौरान NSUI जिला अध्यक्ष विजय सलाम ने कहा कि लगातार पेपर लीक की घटनाएं देश के युवाओं के सपनों को कुचलने का काम कर रही हैं। लाखों छात्र-छात्राएं दिन-रात मेहनत कर अपने भविष्य को बेहतर बनाने का सपना देखते हैं, लेकिन सरकार में बैठे लोगों की लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था उनके सपनों को तोड़ रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के बाद अब 2026 में भी NEET पेपर लीक का मामला सामने आना बेहद गंभीर और शर्मनाक है। जहां शासन में बैठे लोगों की छोटी-छोटी बातें तक लीक नहीं होतीं, वहां इतना बड़ा राष्ट्रीय स्तर का पेपर लीक होना बिना सरकार से जुड़े लोगों की मिलीभगत के संभव नहीं लगता। उन्होंने आरोप लगाया कि NTA पूरी तरह छात्रों का भरोसा खो चुकी है और लगातार हो रहे घोटाले यह साबित करते हैं कि यह संस्था निष्पक्ष परीक्षा कराने में विफल रही है। इसलिए NTA को तत्काल बैन किया जाना चाहिए। साथ ही NSUI ने मांग की कि देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा दें तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में छात्रों के साथ इस प्रकार का अन्याय दोबारा न हो। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीवान, महामंत्री संजय राय ,शहर अध्यक्ष रघु मानिकपुर, युवा कांग्रेस अध्यक्ष बंधन देवांगन,शहर अध्यक्ष जय वटि NSUI उपाध्यक्ष खिलेन्द्र सोरी, महासचिव राहुल मांडवी, शहर अध्यक्ष अदनान खान,राहुल नाग,महासचिव बिरू, रेहान खान, प्रदीप दुग्गा, महेश पोयाम, मनोज वड्डे, पवन, नरेंद्र, सूरज, बुद्धा, मोहन वैष्णव, चरण मांडवी, किसलय देवांगन, रमेश अनुज वड्डे एवं वासुदेव मांडवी उपस्थित रहे।

कच्चापाल में किसानों के साथ कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन विभाग का संवाद कार्यक्रम आयोजित

नारायणपुर। विकासखण्ड ओरछा के ग्राम कच्चापाल में कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों के साथ बैठक एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को क्लस्टर आधारित कृषि प्रणाली एवं उससे जुड़ी आयवर्धन गतिविधियों की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने किसानों से सीधे संवाद करते हुए आधुनिक कृषि पद्धतियों, उन्नत खेती, सब्जी एवं फल उत्पादन, पशुपालन, डेयरी, मुर्गीपालन तथा अन्य सहायक गतिविधियों के माध्यम से आय बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि क्लस्टर आधारित खेती अपनाने से किसानों को उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने तथा बाजार तक बेहतर पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप फल एवं सब्जी उत्पादन के लिए प्रेरित किया। वहीं पशुपालन विभाग द्वारा वैज्ञानिक पशुपालन, पशुओं के टीकाकरण एवं डेयरी गतिविधियों की जानकारी दी गई। कृषि विभाग ने शासन की विभिन्न योजनाओं, जैविक खेती, सिंचाई प्रबंधन एवं तकनीकी मार्गदर्शन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं।कार्यक्रम में किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेती एवं संबंधित गतिविधियों से जुड़े अपने अनुभव और समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। विभागीय अधिकारियों ने किसानों को निरंतर तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। घोटूल में आयोजित चर्चा के उपरांत किसानों द्वारा उद्यानिकी बीज, धान बीज, तालाब निर्माण तथा अन्य आवश्यक मांगों से संबंधित जानकारी विभाग को उपलब्ध कराने की बात कही गई। यह कार्यक्रम किसानों को संगठित एवं विविधीकृत कृषि पद्धतियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

30 को जिंदल ऑडिटोरियम में होगा हिंदी नाटक 'मैं अनिकेत हूँ' का शानदार मंचन

रायगढ़। शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था रोटरी क्लब ऑफ रायगढ़ स्टील सिटी की अभिनव पहल पर आगामी 30 मई को सुप्रसिद्ध हिंदी नाटक 'मैं अनिकेत हूँ' का भव्य मंचन किया जाएगा, यह कार्यक्रम शाम 7 बजे से ओ.पी. जिंदल स्कूल ऑडिटोरियम में शहर के गणमान्य नागरिकों एवं कला प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रोग्राम चेयरमैन रोटेरियन विनोद बट्टीमार ने बताया कि शहरवासियों के लिए यह एक विशेष सांस्कृतिक आयोजन होगा, जिसमें संवेदनशील और विचारोत्तेजक हिंदी नाटक 'मैं अनिकेत हूँ' का मंचन किया जाएगा।

संस्था के अध्यक्ष रोटेरियन कमलेश अग्रवाल एवं सचिव डॉ. सतीश अग्रवाल ने बताया कि 'मैं अनिकेत हूँ' न्याय, संवेदना और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी एक मार्मिक कहानी है, नाटक का निर्देशन प्रसिद्ध रंगकर्मी शशि वरवडकर कर रहे हैं, यह नाटक समाज के ज्वलंत मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगा,उन्होंने बताया कि इस भव्य आयोजन में महाराष्ट्र मंडल रायपुर का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है, महाराष्ट्र मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ में मराठी रंगमंच एवं हिंदी नाटकों को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं। रोटरी स्टील सिटी के अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल समाज सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर में कला और संस्कृति को भी प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि 'मैं अनिकेत हूँ' जैसा सशक्त नाटक रायगढ़ के लोगों को नई सोच और सकारात्मक संदेश देगा,आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन की गरिमा बढ़ाएं तथा कला और संस्कृति के इस प्रयास को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करें,इस आयोजन को सफल एवं भव्य बनाने में रोटरी क्लब ऑफ रायगढ़ स्टील सिटी के अध्यक्ष रोटेरियन कमलेश अग्रवाल, सचिव डॉ. सतीश अग्रवाल, प्रोग्राम चेयरमैन विनोद बट्टीमार सहित सभी सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

जिन निर्माण कार्यों में देरी उस पर जताई नाराजगी संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

कवर्धा। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने शुक्रवार को निर्माणाधीन पोड़ी-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130ए का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य मार्ग के साथ बाईपास मार्ग का भी अवलोकन किया तथा अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। सचिव बंसल ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण होना चाहिए। जिन स्थानों पर सुधार की आवश्यकता है, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण के सभी मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा प्रत्येक चरण में तकनीकी जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से फ ील्ड में पहुंचकर निरीक्षण करें और गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित करें।फील्ड निरीक्षण से पूर्व सचिव श्री बंसल ने सर्किट हाउस कवर्धा में लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा सेतु निर्माण विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने जिले में चल रहे भवन, सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं में लंबे समय से प्रगति नहीं हुई है अथवा कार्य प्रारंभ करने में अनावश्यक देरी हो रही है, उन मामलों में संबंधित एजेंसियों एवं जिम्मेदार पक्षों को नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में स्पष्ट रूप से कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब और लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

छाल में शिक्षक के घर पुलिस की दबिश

डीजल व संदिग्ध सामग्री मिलने से क्षेत्र में चर्चा का बाजार गर्म

रायगढ़। जिले के छाल थाना क्षेत्र से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां पुलिस द्वारा की गई जांच कार्रवाई के दौरान एक शिक्षक के घर से डीजल और अन्य संदिग्ध सामग्री मिलने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार छाल क्षेत्र में रहने वाले ताराचंद पटेल के घर पर पुलिस टीम ने जांच कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि ताराचंद पटेल पेशे से शिक्षक हैं और उनके घर में किराना दुकान भी संचालित होती है। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर जांच की गई, जिसके दौरान कथित तौर पर डीजल, स्क्रब और अन्य सामग्री बरामद होने की बात सामने आई है।हालांकि पुलिस की ओर से अभी तक मामले में आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार जांच के दौरान मिली सामग्री को लेकर कई पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद सामग्री का उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा था और क्या इसमें किसी प्रकार की अवैध गतिविधि जुड़ी हुई है।स्थानीय लोगों के मुताबिक पुलिस की कार्रवाई के बाद इलाके में हलचल बढ़ गई है। छाल थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जब्त सामग्री की जांच के साथ संबंधित दस्तावेजों का भी परीक्षण किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का स्पष्ट खुलासा किया जाएगा।

13 वर्ष पुराने चोरी के मामले का फरार आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर जिले में चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन तलाश÷ अभियान के तहत घरघोड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 2013 के पोल्ट्री फार्म चोरी मामले में लंबे समय से फरार आरोपी चिंता उर्फ चिंतामणि राठिया निवासी बरभौना थाना छाल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 09 अक्टूबर की रात्रि ग्राम भेंगारी स्थित पोल्ट्री फार्म से पिकअप वाहन क्रमांक सीजी-13-एल-3356 के चालक एवं उसके 7-8 साथियों द्वारा 300 नग जीवित मुर्गे, 150 नग प्लास्टिक अंडा ट्रे एवं 9000 नग अंडे सहित लगभग ?60,000 मूल्य की सामग्री चोरी कर ले जाई गई थी। मामले में पोल्ट्री फार्म संचालक की रिपोर्ट पर थाना घरघोड़ा में धारा 457, 380, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान 13 अक्टूबर 2013 को आरोपी शैलेश कुमार महतो निवासी छपरा (बिहार), हाल मुकाम रक्सापाली थाना भूपदेवपुर को गिरफ्तार कर पिकअप वाहन एवं 2500 किराया रकम जब्त की गई थी। पूछताछ में चोरी में शामिल अन्य आरोपियों के संबंध में जानकारी मिली थी, जिनमें चिंता उर्फ चिंतामणि राठिया का नाम भी सामने आया था। घटना के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। वर्तमान में एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में जिलेभर में फरार आरोपियों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान 'ऑपरेशन तलाश'चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक कुमार गौरव को मुखबिर से सूचना मिली कि फरार आरोपी चिंता उर्फ चिंतामणि राठिया अपने घर बरभौना आया हुआ है।

सूचना मिलते ही एएसआई नरेन्द्र सिदार, प्रधान आरक्षक अरविंद पटनायक के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की घटना में शामिल होना स्वीकार किया। पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी चिंता उर्फ चिंतामणि राठिया पिता पीलाराम राठिया उम्र 30 साल साकिन बरभौना थाना छाल जिला रायगढ़ को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा गया है। मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

25 लि. महुआ शराब व 32 पाव देशी शराब किया जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

अवैध शराब कारोबारियों पर रायगढ़ पुलिस की लगातार कार्रवाई

रायगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर नशे के विरुद्ध जिले में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन आघात' के तहत अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज तमनार, पूंजीपथरा एवं कल कोतवाली पुलिस द्वारा अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 25 लीटर महुआ शराब एवं 32 पाव देशी मदिरा जब्त कर तीनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। कल कोतवाली टीआई सुखनंद पटेल के नेतृत्व में फरार वारंटियों, आरोपियों की धरपकड़ दौरान मुखबीर से अवैध बिक्री के लिए शराब परिवहन की सूचना मिली। कोतवाली में पदस्थ एएसआई कोसोसिंह जगत के हमराह पुलिस टीम ने मुखबिर सूचना पर गंधरी पुलिया रेलवे स्टेशन रोड रायगढ़ के पास आरोपी खुशी राम चौहान को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी सायकल में देशी शराब लेकर बिक्री हेतु इंदिरा नगर की ओर जा रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। आरोपी के कब्जे से 32 पाव रोमियो देशी मसाला शराब (कुल 5.760 बल्क लीटर) कीमत 3200 एवं एक काला रंग का कोहिनूर कंपनी का लेडीज सायकल कीमत 2000 जब्त किया गया। आरोपी खुशी राम चौहान पिता कुरसो राम चौहान उम्र 60 वर्ष निवासी इंदिरा नगर रायगढ़ के विरुद्ध धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

इसी तरह थाना तमनार पुलिस टीम ने ग्राम आमाघाट में मुखबिर सूचना पर आरोपी अर्जुन तिग्गा पिता स्व. सीताराम तिग्गा उम्र 26 वर्ष निवासी आमाघाट थाना तमनार को पकड़ा। थाना प्रभारी प्रशांत राव को मुखबीर से आरोपी द्वारा अवैध शराब बेचने की सूचना मिली थी, पूछताछ में आरोपी ने अवैध शराब बिक्री करना स्वीकार किया और अपने घर के पीछे खेत-बाड़ी में छिपाकर रखे 20 लीटर क्षमता वाले प्लास्टिक जरीकेन में भरे 15 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित कच्ची महुआ शराब को पुलिस के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसकी कीमत लगभग 3000 आंकी गई।

प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने तोड़ा 'मामा ढाबा'

संचालक बोले- निजी रंजिश का मामला

केशकाल। केशकाल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत गारका में एनएच-30 किनारे संचालित 'मामा ढाबा' को लेकर रविवार को बड़ा विवाद सामने आया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एकजुट होकर ढाबे को तोड़ दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि ढाबे में शराब परोसने और अनैतिक गतिविधियां संचालित होने जैसी शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं, जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा था। वहीं ढाबा संचालक ने इन सभी आरोपों को निराधार बताते हुए इसे व्यक्तिगत दुश्मनी का परिणाम बताया है। गांव के सरपंच मुकेश मंडावी और उपसरपंच शीला निषाद ने बताया कि उक्त ढाबा अवैध अतिक्रमण कर बनाया गया था और यहां संचालित गतिविधियों का गांव के बच्चों, युवाओं तथा स्कूली छात्रों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा था। इस संबंध में कई बार ढाबा संचालक को चेतावनी दी गई, ग्राम पंचायत में प्रस्ताव पारित कर प्रशासन और पुलिस को भी अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए स्वयं ढाबा हटाने की कार्रवाई की। ग्रामीणों ने कहा कि हमें ग्राम गारका में इस तरह का कोई ढाबा नहीं चाहिए, इसलिए आज गांव के लोग मिलकर इसे हटाने आए हैं। मामा ढाबा के संचालक संजय सिन्हा ने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनके ढाबे में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि संचालित नहीं होती और कुछ लोग व्यक्तिगत रंजिश के चलते उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। संजय सिन्हा का आरोप है कि ग्राम पंचायत और सरपंच उनसे निजी दुश्मनी निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना किसी वैधानिक कार्रवाई के उनके ढाबे को नुकसान पहुंचाया गया है, जिसे लेकर वे माननीय हाईकोर्ट की शरण लेंगे तथा ढाबा तोड़ने में शामिल लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करेंगे। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल बना हुआ है। एक ओर ग्रामीण गांव के सामाजिक माहौल और युवाओं के भविष्य को देखते हुए अपनी कार्रवाई को सही ठहरा रहे हैं, तो दूसरी ओर ढाबा संचालक इसे कानून हाथ में लेने की घटना बता रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

वार्ड 29 में भाजपा के पक्ष में माहौल, अमर अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह

बिलासपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक अमर अग्रवाल ने बिलासपुर नगर पालिका निगम के वार्ड क्रमांक 29 संजय गांधी नगर तारबहार में भाजपा पार्षद प्रत्याशी मधुसूदन राव के समर्थन में आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। इस दौरान श्री अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों से कमल छाप पर बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास, सुशासन और जनसेवा की राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है तथा भाजपा के जनप्रतिनिधि सदैव जनता के सुख-दुख में सहभागी बनकर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम में भाजपा की मजबूत उपस्थिति से क्षेत्र के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। नुक्कड़ सभा में क्षेत्रवासियों का उत्साह एवं समर्थन देखने को मिला। इसके पश्चात श्री अग्रवाल झूलेलाल मंगलम, बिलासपुर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 में शामिल हुए, जहां उन्होंने वरिष्ठजनों एवं कार्यकर्ता साथियों के साथ संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं के वैचारिक विकास एवं संगठनात्मक मजबूती का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रमों में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पराई महिला से संबंध, पत्नी ने हंसिए से काटा पति का प्राइवेट पार्ट

बिलासपुर। चकरभाठा क्षेत्र में पति-पत्नी के विवाद ने शुक्रवार देर रात खौफनाक रूप ले लिया। शक और पारिवारिक कलह के बीच गुस्से में आई पत्नी ने अपने पति पर हंसिए से हमला कर उसका प्राइवेट पार्ट काट दिया। गंभीर हालत में घायल पति को तत्काल इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। पुलिस घायल राजमिस्त्री के बयान के बाद आगे की कार्रवाई की बात कह रही है। चकरभाठा निवासी राकेश कौशिक राजमिस्त्री का काम करते हैं। उनकी पत्नी द्रोपति कौशिक को लंबे समय से शक था कि राकेश का किसी दूसरी महिला से संबंध है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद और झगड़े होते रहते थे। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद पूरा परिवार सो गया था। देर रात करीब एक बजे पति-पत्नी के बीच फिर इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। पति-पत्नी में देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर द्रोपति ने घर में रखे लोहे के हंसिए से राकेश पर हमला कर दिया। घटना की जानकारी राकेश की बहन रेखा कौशिक को उनके भतीजे समीर कौशिक ने दी। रेखा कौशिक, जो नगर पंचायत बोदरी में कार्यरत हैं, ने पुलिस को बताया कि रात करीब एक बजे समीर उनके घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाकर बताया कि उसके माता-पिता के बीच झगड़ा हुआ है तथा उसकी मां ने हंसिए से उसके पिता के प्राइवेट पार्ट पर वार कर दिया है। सूचना मिलते ही रेखा कौशिक अपने भाइयों रमेश कौशिक और सुरेश कौशिक के साथ मौके पर पहुंचीं। स्वजन ने देखा कि राकेश घर के अंदर खटिया पर बैठे थे और उनके प्राइवेट पार्ट से लगातार खून बह रहा था। वहीं द्रोपति कौशिक कटे हुए अंग को अपने हाथ में पकड़े हुई थी। इसके बाद स्वजन तत्काल घायल राकेश और कटे हुए अंग को लेकर इलाज के लिए सिम्स अस्पताल पहुंचे, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफ अपराध दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने महिला का बयान लिया है। अब घायल राजमिस्त्री के बयान के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।

भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष पहल

बिलासपुर। बिलासपुर भीषण गर्मी एवं लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को राहत प्रदान करने हेतु प्रमुख स्टेशनों पर वाटर मिस्टिंग सिस्टम प्रभावी रूप से संचालित किए जा रहे हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे प्रशासन द्वारा गर्मी के मौसम में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव एवं गोंदिया स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर स्थापित मिस्टिंग सिस्टम के माध्यम से सूक्ष्म जल फुहारों का छिड़काव किया जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को किया लाभान्वित

सुशासन तिहार के समाधान शिविर में मिली योजनाओं की सौगात

बिलासपुर। सुशासन तिहार के तहत आज मंगला स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित समाधान शिविर में तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह एवं बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला शामिल हुए। उन्होंने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक प्राथमिकता से पहुंचे तथा किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को योजनाओं से वंचित न रहना पड़े। इस अवसर पर महापौर पूजा विधानी, नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जोन कमिश्नर रंजना अग्रवाल, पार्षद रमेश पटेल, हेमन्त मरकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि सुशासन तिहार का मूल उद्देश्य शासन और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित कर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं और योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अनेक जरूरी सेवाओं का लाभ लोगों को सरलता से मिल रहा है, जिससे आमजन को काफी सुविधा हो रही है। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि शासन की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंगला क्षेत्र के दो वार्डों में लगभग 150 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिससे जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रतिमाह सहायता राशि प्रदान की जा रही है। महापौर पूजा विधानी ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद शासन स्वयं जनता के द्वार पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रहा है। समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग अब तक किसी योजना का लाभ लेने से वंचित रह गए हैं, वे शिविरों में पहुंचकर जानकारी एवं लाभ प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में महिलाओं की गोदभराई, शिशुओं का अन्नप्राशन एवं श्रम विभाग द्वारा सहायता राशि वितरण जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं, जिससे आमजन में उत्साह का वातावरण है। उन्होंने लोगों से शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे ने कहा कि समाधान शिविर के माध्यम से लोगों को योजनाओं का सीधे लाभ मिल रहा है। शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण प्राथमिकता से किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। शिविर में असंगठित कर्मकार महतारी जतन योजना के तहत कांति बांधे को 20 हजार रुपये का चेक वितरित किया गया। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत शिवांगी क्षत्रवाणी को 20 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही 4 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। 5 शिशुओं का अन्नप्राशन एवं 5 बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित कर विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

कलेक्टर-एसएसपी की अध्यक्षता में शान्ति समिति की बैठक संपन्न

■ ईद-उल-जुहा एवं मोहर्रम पर्व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का लिया गया निर्णय

बिलासपुर। आगामी ईद-उल-जुहा एवं मोहर्रम पर्व को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं एसएसपी श्री रजनेश सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ईद-उल-जुहा एवं मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया गया। पुलिस विभाग को पर्व के दौरान शहर के समस्त चौक-चौराहों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सुरक्षा बल तैनात करने के निर्देश दिए। नगर निगम को पर्व के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों एवं महत्वपूर्ण स्थलों में साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था करने कहा गया। सिम्स एवं जिला अस्पताल को आपालकालीन स्थित से निपटने एम्बुलेंस, आपातकालीन चिकित्सकों एवं अन्य सहयोगी कर्मचारियों का दल तैनात रखने के निर्देश दिए है। विद्युत विभाग को पर्व के दौरान निरंतर विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए सजग रहने कहा गया। समिति के सदस्यों ने शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने का भरोसा दिलाया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी, एडिशनल एसपी शहरी श्री पंकज कुमार पटेल, एसडीएम श्री मनीष साहू, सिटी मजिस्ट्रेट श्रीमती रजनी भगत, शांति समिति के सदस्य श्री हबीब मेमन, सुधीर खंडेलवाल, श्री मनजीत सिंह, श्री चंचल सलूजा, डॉ. बसंत अंचल, प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री अजीत मिश्रा, श्री अनिल शुक्ला सहित अन्य सदस्य एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सकर्रा सुशासन शिविर में समस्याओं का हुआ समाधान

बिलासपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत तखतपुर विकासखंड के ग्राम सकर्रा में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं मांगों के कुल 240 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 25 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। तखतपुर एसडीएम श्री नितिन तिवारी ने हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्री वितरण किए। एसडीएम श्री तिवारी ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए शासन प्रशासन लगातार प्रयास कर रहे है।शिविर में 7 हितग्राहियों को राशनकार्ड, 7 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति हेतु पात्र, 10 को मनरेगा जॉब कार्ड, 11 को आयुष्मान कार्ड, 47 को लर्निंग ड्राईविंग लाइसेंस, 201 लोगों का बीपी शुगर जांच, 225 का सिकल सेल जांच, 610 लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। वहीं 10 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति, 10 समूहों को 36 का चेक वितरण, 4 शिशुओं का अन्नप्रासन एवं 5 महिलाओं की गोद भराई रस्म संपन्न कराई गई। 2 हितग्राहियों को 40-40 हजार का चेक वितरण एवं 4 को खाद बीज का वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत तखतपुर के सीईओ सत्यव्रत तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

प्यार, धोखा और दुष्कर्म... नाबालिग को भगाकर हवस पूरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। प्रेमजाल में फंसाकर नाबालिग को घर से भगाने और शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को बिल्हा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बिलासपुर जिले के थाना बिल्हा क्षेत्र में सामने आए इस सनसनीखेज मामले ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। प्रार्थी ने 23 मई 2026 को थाना बिल्हा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बेटी 22 मई को बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। अगले दिन डायल-112 से सूचना मिलने पर युवती को थाना बिल्हा लाया गया। पूछताछ में पीड़िता ने खुलासा किया कि बिल्हा निवासी आरोपी दीपक दास मानिकपुरी पिता शिवशंकर मानिकपुरी उम्र 24 वर्ष, निवासी बिल्हा, स्थायी पता रोडपारा आमगांव थाना पचपेड़ी जिला बिलासपुर, उसे ग्राम बरतोरी से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बिल्हा में अपराध क्रमांक 275/2026 धारा 137(2), 64(1), 65(1) भारतीय न्याय संहिता एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया, जिसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह और नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा डी.आर. टंडन के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने आरोपी दीपक दास मानिकपुरी को पकड़कर पूछताछ की, जहां उसने अपराध करना स्वीकार किया।

बिलासपुर रेलवे मंडल में प्रभावी रूप से जारी है नाका टिकट चेकिंग अभियान..

■ मंडल के चांपा एवं शहडोल स्टेशन में कुल 21 ट्रेनों की जाँच, 487 मामलों में 3.10 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने तथा वैध टिकट लेकर यात्रा करने की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 21 मई से 14 जून 2026 तक विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के साथ-साथ रेलवे राजस्व में वृद्धि एवं अधिकृत टिकटधारी यात्रियों को बेहतर यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 23 मई 2026 को चांपा स्टेशन एवं 24 मई 2026 को शहडोल स्टेशन में नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक, टिकट जांच कर्मचारी (टीटीई) एवं रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। इस विशेष अभियान के दौरान स्टेशन से आने-जाने वाली कुल 21 ट्रेनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान कुल 487 मामले दर्ज करते हुए कुल ?3,10,395 का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 381 मामलों से 2 लाख 57हजार 625 रुपये, अनियमित टिकट के 99 मामलों से 52 हजार 70 रुपये एवं बिना बुक किए गए लगेज के 07 मामलों से 700 रुपये जुर्माने की वसूली किया गया । रेल प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा यह विशेष अभियान बेटिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सफल साबित हो रहा है। इससे न केवल रेलवे के राजस्व में वृद्धि हो रही है, बल्कि वैध टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुविधाजनक यात्रा वातावरण भी उपलब्ध हो रहा है।

अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही जीवनदायिनी अरपा; क्या साबरमती की तर्ज पर बदलेगी बिलासपुर की सूरत?

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी और संस्कारधानी कहे जाने वाले बिलासपुर की पहचान, यहाँ की जीवनदायिनी 'अरपा' नदी आज अपने अस्तित्व के लिए आँसू बहा रही है। वर्षों से राजनीति का शिकार रही अरपा की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। शासन-प्रशासन की उपेक्षा और जन-भागीदारी की कमी ने इस पवित्र नदी को एक नाले के रूप में तब्दील कर दिया है। अब समय आ गया है कि बिलासपुर के निवासी अपनी 'कुंभकर्णी नींद' से जागें और अरपा के उद्धार के लिए एक निर्णायक कदम उठाएं। बीते कई दशकों से हर चुनाव में अरपा का संरक्षण एक मुख्य मुद्दा रहा है। चाहे सांसद प्रत्याशी हों या विधायक, सभी ने अरपा की सुंदरता और संवर्धन के सब्जबाग दिखाकर वोट तो बटोरे, लेकिन चुनाव जीतते ही वादे ठंडे बस्ते में चले गए। आज भी अरपा की दशा जस की तस बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि क्या केवल सरकारों के भरोसे रहने से अरपा का उद्धार संभव है? गुजरात की साबरमती नदी, जो कभी अरपा की तरह ही प्रदूषित और सूखी हुआ करती थी, आज देश के लिए एक मिसाल है। जनशक्ति और दृढ़ इच्छाशक्ति के संगम से साबरमती का कायाकल्प हो चुका है। बिलासपुर की जनता भी यदि ठान ले, तो अरपा को साबरमती से भी सुंदर और निर्मल बनाया जा सकता है।

नर्मदा-अरपा संगम: एक क्रांतिकारी विजन

अरपा के पुनरुद्धार के लिए एक साहसी परिकल्पना सामने आ रही है। चूंकि अरपा का उद्गम पेंड्रा की मैकल पर्वत श्रेणियों से होता है, जो अमरकंटक के अत्यंत समीप है, विशेषज्ञों का मानना है

कि: भौगोलिक सुधार : अमरकंटक जैसे पवित्र तीर्थ को छत्तीसगढ़ की सीमा में शामिल करने हेतु ठोस प्रयास हों। नदी जोड़ो अभियान : नर्मदा की एक धारा को नहर के माध्यम से अरपा के उद्गम स्थल तक लाया जाए। डबल इंजन सरकार का लाभ : वर्तमान में केंद्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश तीनों जगह भाजपा की सरकारें हैं। ऐसे में अंतर्राज्यीय समन्वय के साथ नर्मदा-अरपा का सम्मिलन कोई असंभव कार्य नहीं है। यदि अरपा में नर्मदा की अविरल धारा प्रवाहित होती है, तो बिलासपुर का परिदृश्य पूरी तरह बदल जाएगा। गंगा आरती की तर्ज पर आयोजन: तोरवा स्थित छठ घाट पर 'नर्मदा-अरपा आरती' का भव्य आयोजन इसे धार्मिक पर्यटन का केंद्र बना देगा। आर्थिक विकास : रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, नौकायन और धार्मिक मेलों के आयोजन से बिलासपुर एक प्रतिष्ठित तीर्थ नगरी के रूप में विश्व मानचित्र पर उभरेगा।

अब नहीं तो कब?

अरपा केवल एक नदी नहीं, बिलासपुर की आत्मा है। इसकी दुर्दशा के लिए हम और आप भी समान रूप से दोषी हैं। अब समय केवल ढोल-नगाड़े पीटने का नहीं, बल्कि धरातल पर उतरकर 'प्राण-पण' से जुटने का है। यदि शासन, प्रशासन और जनता हृदय से एक हो जाएं, तो अरपा की कल-कल ध्वनि फिर से बिलासपुर की फिजाओं में गूंजेगी। अरपा की पुकार, जागो बिलासपुर संस्कार!

खिलाड़ी बुक पर बिलासपुर पुलिस का बड़ा प्रहार,ऑनलाइन सट्टा गैंग से 22 लाख रूपया जब्त

बिलासपुर। मोबाइल की स्क्रीन पर चल रहा था करोड़ों के खेल का काला धंधा, लेकिन बिलासपुर पुलिस की रेड ने खिलाड़ी बुक के पूरे नेटवर्क को हिला दिया। मंगला इलाके में ऑनलाइन सट्टे का अड्डा बनाकर अलग-अलग खेलों पर दांव लगवा रहे सटोरियों को सिविल लाइन पुलिस ने दबोच लिया। कार्रवाई इतनी तगड़ी रही कि मौके से 13 लाख 48 हजार रुपये नगद, 27 एटीएम कार्ड, 5 मोबाइल फोन, एक टाटा कार और स्कूटी समेत कुल 22 लाख 63 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि सट्टे की रकम अलग-अलग खातों और माध्यमों से आगे पहुंचाई जा रही थी। मामले में गिरफ्तार आरोपी संतोष जसवानी पिता स्वर्गीय हरिलाल जसवानी उम्र 34 वर्ष निवासी हेमुनगर तोरवा हाल मुकाम रोमन हाईट्स गंगानगर फेस-02 मंगला थाना सिविल लाइन बिलासपुर, करन श्रीवास पिता देवी प्रसाद श्रीवास उम्र 20 वर्ष निवासी पानी टंकी के पास नयापारा सिरगिट्टी बिलासपुर, आशीष जसवानी पिता अमेश उम्र 20 वर्ष निवासी बी.आर. हॉस्पिटल के पास बिलासपुर तथा एक विधि से संघर्षरत बालक शामिल हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एचडीएफसी बैंक के पास आरोपी मोबाइल फोन के जरिए खिलाड़ी बुक नामक ऑनलाइन पैनल से सट्टा संचालित कर रहे हैं।

संतान सुख और मोक्ष देने वाली पद्मिनी एकादशी का महत्व

सनातन धर्म में पुरुषोत्तम मास (अधिमास/मलमास) का विशेष महत्व है। इस पवित्र महीने के शुक्ल पक्ष में आने वाली एकादशी को 'पद्मिनी एकादशी' कहा जाता है। इसे 'पुरुषोत्तमी' और 'कमला एकादशी' के नाम से भी जाना जाता है। स्कन्द पुराण, पद्म पुराण, भविष्य पुराण और विष्णु पुराण के अनुसार, इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और अंत में श्रीविष्णु लोक की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत से बढ़कर संसार में न कोई यज्ञ है और न ही कोई पुण्य अनुष्ठान। विशेषज्ञ के अनुसार, यह व्रत केवल उपवास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आंतरिक शुद्धता, अटूट आस्था और निस्वार्थ भक्ति का प्रतीक है।

तिथि, शुभ मुहूर्त और पारण का समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष अधिक ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पद्मिनी एकादशी 27 मई 2026, बुधवार को मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में उदयातिथि को सर्वोपरि माना जाता है, इसलिए श्रद्धालु इसी दिन व्रत रखेंगे। पंचांग के अनुसार मुख्य समय इस प्रकार है:

एकादशी तिथि का प्रारंभ: 26 मई 2026 (मंगलवार) सुबह 05:10 बजे से

एकादशी तिथि का समापन: 27 मई 2026 (बुधवार) सुबह 06:21 बजे तक

व्रत (उदयातिथि): 27 मई 2026 (बुधवार)

व्रत पारण का शुभ समय: 28 मई 2026 (गुरुवार) सुबह 05:25 बजे से 07:56 बजे तक

व्रत का पूर्ण लाभ उठाने के लिए पारण हमेशा शुभ समय के भीतर ही किया जाना चाहिए. हरि वासर की अवधि में पारण करने से बचना चाहिए।

पौराणिक कथा: राजा कीर्तिवीर्य और रानी पद्मिनी की तपस्या

पद्मिनी एकादशी की कथा त्रेतायुग से जुड़ी हुई है, जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

1. संतान सुख से वंचित थे राजा कीर्तिवीर्य

पौराणिक कथाओं के अनुसार, त्रेतायुग में महिष्मति नगरी के प्रतापी राजा कीर्तिवीर्य अपनी हजार पत्नियों के साथ सुखपूर्वक रहते थे। सब कुछ होने के बाद भी राजा संतान सुख से वंचित थे। अनेक उपायों, यज्ञों और पूजा-पाठ के बाद भी जब संतान की प्राप्ति नहीं हुई, तो राजा ने राज-पाट छोड़कर तपस्या करने का निर्णय लिया।

2. गंधमादन पर्वत पर कठोर तप

राजा की इस यात्रा में उनकी प्रिय पत्नी रानी पद्मिनी भी उनके साथ गईं। दोनों ने गंधमादन पर्वत पर जाकर वर्षों तक अत्यंत कठोर तपस्या की।

3. माता अनुसुइया का मार्गदर्शन और व्रत का फल

रानी पद्मिनी की अखंड भक्ति और कठिन तप से प्रसन्न होकर सती माता अनुसुइया उनके समक्ष प्रकट हुईं। माता अनुसुइया ने रानी को संतान प्राप्ति के लिए अधिमास (पुरुषोत्तम मास) के शुक्ल पक्ष में आने वाली एकादशी का व्रत करने की सलाह दी। माता के निर्देशानुसार राजा और रानी ने पूर्ण श्रद्धा, निष्ठा और विधि-विधान के साथ इस एकादशी का व्रत किया। व्रत के पुण्य प्रभाव से भगवान विष्णु प्रसन्न हुए और रानी पद्मिनी ने नौ महीने बाद एक महापराक्रमी पुत्र को जन्म दिया। रानी के नाम पर ही इस व्रत का नाम 'पद्मिनी एकादशी' पड़ा।

'टी' पॉइंट वाला घर लेना शुभ या अशुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, 'टी' पॉइंट पर बना घर आमतौर पर शुभ नहीं माना जाता है, इसे वीथी शूल या रोड प्रहार दोष कहा जाता है। हालांकि, यह पूरी तरह से घर की दिशा पर निर्भर करता है कि यह आपके लिए कितना अशुभ होगा या इसके नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है। क्यों माना जाता है अशुभ या बर्बादी का कारण? वास्तु शास्त्र के अनुसार, 'टी' पॉइंट पर बने घर में नकारात्मक ऊर्जा का सीधा और तेज प्रवाह यानी टकराव होता है।

नकारात्मक ऊर्जा का सीधा प्रवाह: सड़क से आने वाली ऊर्जा और वाहनों का सीधा प्रवाह घर की ओर होता है, जिससे घर की ऊर्जा का संतुलन बिगड़ता है और तनाव और चिंता बढ़ती है।

मानसिक और शारीरिक कष्ट: निवासियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, तनाव, अनिद्रा और मानसिक अशांति हो सकती है।

धन और संबंधों में अस्थिरता: यह घर के सदस्यों के आर्थिक नुकसान, अस्थिरता और पारिवारिक संबंधों में तनाव पैदा कर सकता है।

सुरक्षा का अभाव: वाहनों की सीधी आवाजाही के कारण शोर का स्तर अधिक होता है और गोपनीयता कम हो जाती है।

कौन सी दिशाएं शुभ या कम अशुभ हैं?

'टी' पॉइंट हमेशा बुरा हो, ऐसा जरूरी नहीं। कुछ दिशाओं से आने वाली सड़क का 'टी' पॉइंट घर के लिए कम हानिकारक या शुभ फलदायी भी हो सकता है, जहां आबाद होने की संभावनाएं भी रहती हैं। यहां जानें दिशा के अनुसार वास्तु फलल कारण और प्रभाव...

उत्तर (North)- शुभ या सबसे अनुकूल: यह दिशा धन, समृद्धि और करियर में नए अवसर लाती है।

उत्तर-पूर्व (ईशान कोण)- बहुत शुभ: यह दिशा सुख-समृद्धि, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाली होती है।

पूर्व (East)- शुभ/कम अशुभ: यह मान-सम्मान, स्वास्थ्य और सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए अनुकूल माना जाता है।

यदि सड़क इन दिशाओं से आकर आपके घर पर सीधी टकराती है तो यह सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव डालती है। यहां जानें आपके घर की दिशा और वास्तु फल का प्रभाव...

दक्षिण (South)- अशुभ: यह मान-सम्मान की हानि, आर्थिक नुकसान और घर की महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य कोण)- अत्यंत अशुभ: यह सबसे खतरनाक माना जाता है और गंभीर स्वास्थ्य और वित्तीय समस्याएं ला सकता है।

हेल्दी टोमेटो सॉस

घर पर टोमेटो सॉस बनाने की आसान रेसिपी

टोमेटो सॉस की सामग्री

1 किलो लाल पके टमाटर, 2 चम्मच चीनी, स्वादानुसार नमक, आधा कप सिरका, थोड़ा सा लाल मिर्च पाउडर, 2-3 लहसुन की कलियां, काली मिर्च और दालचीनी (वैकल्पिक)

टमाटरों को उबालकर करें तैयार

सबसे पहले टमाटरों को अच्छी तरह धो लें और छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन्हें एक बर्तन में डालकर 10-15 मिनट तक उबालें। जब टमाटर नरम हो जाएं, तब गैस बंद कर दें और ठंडा होने दें। इसके बाद मिक्सर में पीसकर महीन पेस्ट बना लें। अगर आप बिल्कुल स्मूद सॉस चाहते हैं, तो पेस्ट को छलनी से छान लें। मसालों के साथ धीमी आंच पर पकाएं। अब तैयार टमाटर पेस्ट को कड़ाही में डालें और धीमी आंच पर पकाना शुरू करें। इसमें चीनी, नमक, लाल मिर्च और बाकी मसाले डालें। लगातार चलाते रहें ताकि सॉस तले में चिपके नहीं। करीब 15-20 मिनट बाद सॉस गाढ़ी होने लगेगी और इसकी खुशबू पूरे किचन में फैल जाएगी।

अगर आप भी अपने परिवार की सेहत को लेकर सजग हैं, तो अब घर पर ही आसानी से टोमेटो सॉस बना सकते हैं। घर की बनी टोमेटो सॉस स्वाद में शानदार होने के साथ पूरी तरह शुद्ध और पौष्टिक होती है। इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता और आप अपनी पसंद के अनुसार मसाले व मिठास एडजस्ट कर सकते हैं। खास बात यह है कि इसमें किसी भी तरह का कृत्रिम रंग या हानिकारक प्रिजर्वेटिव नहीं होता। इस लेख में जानिए एक आसान और स्वादिष्ट होमलेड टोमेटो सॉस की विधि, जिसे बनाकर आप बाजार की मिलावटी चटनी से हमेशा के लिए दूरी बना सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - रचनात्मक ऊर्जा और संतान सुख की वृद्धि लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के छठवें भाव में चंद्रमा स्थित है। प्रथम भाव में स्वराशि के मंगल आपको अदम्य साहस प्रदान करेंगे, जिससे करियर में अटके हुए कार्यों को गति मिलेगी। बिजनेस में नई शुरुआत के बेहतरीन अवसर मिलेंगे और आर्थिक लाभ की स्थिति मजबूत होगी। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और पार्टनर के प्रति गहरा आकर्षण महसूस करेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषभ राशि - आपके लिए सुख-सुविधाओं और पारिवारिक मजबूती का है, क्योंकि आपकी राशि के पंचम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। आपकी राशि में सूर्य और बुध की उपस्थिति करियर में आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव को शिखर पर ले जाएगी। व्यापार में स्थिरता आएगी और संपत्ति से संबंधित निवेश में बड़े आर्थिक लाभ के योग हैं। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की सराहना होगी और नई चुनौतियों को आप सफलता में बदल देंगे। लव लाइफ में विश्वास बढ़ेगा।

मिथुन राशि - आपके लिए पराक्रम और संचार कौशल में सफलता लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा विराजमान हैं। आपकी राशि में गुरु और शुक्र की युति करियर में तरक्की के नए द्वार खोलेगी। नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने की प्रबल संभावना है। बिजनेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद आपकी बुद्धिमानी आपको विजयी बनाएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और भविष्य के निवेश लाभदायक रहेंगे।

कर्क राशि - आर्थिक स्थिरता और वाणी के प्रभाव का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के तृतीय भाव में चंद्रमा संचरण कर रहे हैं। करियर के क्षेत्र में आपकी प्रभावी वाणी और व्यावहारिक दृष्टिकोण आपको बड़ी सफलता दिलाएंगे। व्यापार में धन लाभ के प्रबल अवसर हैं, जिससे आपकी आय में वृद्धि होगी। निवेश के लिए समय बहुत अनुकूल है। लव लाइफ में आकर्षण बढ़ेगा, हालांकि पार्टनर के साथ बातचीत में स्पष्टता रखना जरूरी है।

सिंह राशि - आपके लिए आत्मविश्वास और व्यक्तिगत प्रभाव में वृद्धि का होगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वितीय भाव में चंद्रमा और केतु विराजमान हैं। करियर में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी और कार्यस्थल पर नई चुनौतियों को आप अवसरों में बदल देंगे। बिजनेस में नई शुरुआत के बेहतरीन अवसर मिलेंगे और आर्थिक लाभ संतोषजनक रहेगा।

कन्या राशि - सावधानी और बजट पर नियंत्रण रखने का है, क्योंकि आपकी राशि के प्रथम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर के सिलसिले में अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, जो थोड़ी थकान भरी होगी। बिजनेस में जोखिम भरे निवेश और सट्टेबाजी से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि हो सकती है। नौकरी में सहकर्मियों के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे मानसिक तनाव हो सकता है। लव लाइफ में गलतफहमी के कारण तनाव उत्पन्न हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें।

तुला राशि-आपके लिए लाभ और उपलब्धियों की सौगात लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा विराजमान हैं। करियर में तरक्की के प्रबल संकेत हैं और आपकी मेहनत का फल प्रमोशन के रूप में मिल सकता है। बिजनेस में नए अनुबंध होंगे जो भविष्य में बड़े लाभ दिलाएंगे। पुराने निवेशों से आर्थिक लाभ होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप पार्टनर के साथ भविष्य की सुखद योजनाएं बनाएंगे।

वृश्चिक राशि - आपके लिए करियर की ऊंचाइयों और कार्यस्थल पर वर्चस्व का होगा, क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव में चंद्रमा संचरण कर रहे हैं। नौकरी में आपके काम की गुणवत्ता आपको पदोन्नति और सम्मान दिला सकती है। बिजनेस में स्थिरता आएगी और व्यापार विस्तार के नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए मार्ग खुलेंगे।

धनु राशि- आपके लिए भाग्य की चमक और आध्यात्मिक उन्नति का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे नई शुरुआत और सफलता के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में किया गया निवेश सफल रहेगा और आर्थिक लाभ सुनिश्चित होगा। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी और पार्टनर के साथ किसी धार्मिक या लंबी यात्रा पर जा सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति के योग हैं।

मकर राशि - आपके लिए थोड़ा संभलकर चलने और धैर्य बनाए रखने का है, क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में अचानक आई चुनौतियां आपको मानसिक तनाव दे सकती हैं। बिजनेस में उधारी के लेनदेन से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि का जोखिम रहेगा। रिश्तों में पारदर्शिता बनाए रखें, पार्टनर के साथ विवाद की स्थिति बन सकती है।

कुंभ राशि- साझेदारी और दांपत्य सुख में मधुरता लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के अष्टम भाव में चंद्रमा विराजमान हैं। बिजनेस पार्टनर के साथ तालमेल बहुत अच्छा रहेगा और व्यापार में विस्तार की नई योजनाएं बनेंगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की और सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन भविष्य के लिए निवेश करना लाभदायक रहेगा। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और आकर्षण के कारण रिश्तों में नई ताजगी आएगी।

मीन राशि- आपके लिए मेहनत और अनुशासन के साथ शत्रुओं पर विजय पाने का है, क्योंकि आपकी राशि के षष्ठम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, लेकिन आपकी दृढ़ता आपको सफलता दिलाएगी। नौकरी में बारीकियों पर ध्यान दें और मेहनत से पीछे न हटें। आर्थिक लाभ के लिए प्रयास करने होंगे, फालतू खर्चों पर रोक लगाएं।

गर्मी में पानी पीते वक्त न करें ये गलती

फ्रिज का ठंडा पानी सीधे पीना

सबसे पहली गलती जो 90 प्रतिशत लोग करते हैं वो फ्रिज का ठंडा पानी सीधे पी लेते हैं। ये पानी कुछ समय के लिए गले और मुंह पर ठंडक देता हो लेकिन ये शरीर में पानी की कमी और प्यास बुझाने का काम ठीक से नहीं कर पाता। वहीं इतना ठंडा पानी केवल आपकी पाचन अग्नि को ठंडा कर देता है जिससे पाचन खराब होता है।

तेज गर्मी शरीर में गर्मी और उससे निकलने वाले पसीने को बढ़ाती है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट करना जरूरी है। लेकिन हाइड्रेशन के लिए केवल पानी काफी नहीं। काफी सारे लोग अभी भी पानी पीने पर ही फोकस करते हैं। जबकि तेज धूप और गर्मी की वजह से लगने वाली प्यास खाली पानी से नहीं बुझती है और आमतौर पर लोग ये 4 तरह की गलती करते हैं। जिसकी वजह से ढेर सारा पानी पीने के बाद भी ना प्यास बुझती है और ना ही शरीर की गर्मी जाती है। आयुर्वेदाचार्य उमंग ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में पानी पीने के अलग नियम बताए गए हैं। जिसकी जानकारी ना होने से लोगों को पानी पीने के बाद भी ना ताजगी महसूस होती है, ना सिर का दर्द जाता है और ना ही प्यास बुझती है। तो आप भी जान लें कौन सी वो 4 गलतियां हैं जिन्हें पानी पीते वक्त नहीं करनी चाहिए।

वहीं इस ठंडे पानी को शरीर के टेंपरेचर यानी 37 डिग्री सेल्सियस तक लाने के लिए भी एनर्जी का यूज करना पड़ता है। जबकि स्टडी में पाया गया है कि साधारण बिना फ्रिज वाला नल का पानी ज्यादा आसानी से शरीर की प्यास बुझाने और सेल्स में अब्जॉर्ब हो जाता है।

सादा पानी पीना

दूसरी गलती जो अक्सर लोग करते हैं सादा पानी पीना। जब शरीर से पसीना ज्यादा तेजी से निकल रहा हो तो उस वक्त सादा पानी आपके शरीर को हाइड्रेट नहीं करता। पसीने के साथ शरीर से सोडियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम भी निकल जाता है। ऐसे में केवल सादा पानी शरीर को हाइड्रेट नहीं कर पाता। आयुर्वेद में भी बताया गया है कि ग्रीष्म ऋतु में छाछ, मट्ठा, नारियल पानी, गुलकंद वाला पानी नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट की तरह काम करता है और शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करता है।

एक बार में ढेर सारा पानी पीना

गर्मी में प्यास बुझाने के लिए एक बार में ढेर सारा पानी गटक जाना काफी सारे लोगों की आदत होती है। जबकि ऐसा करने से प्यास नहीं बुझती है क्योंकि ये पानी सेल्स तक नहीं पहुंचता। और किडनी में एक साथ पानी की ज्यादा मात्रा ब्लड में सोडियम डाइल्यूट करने लगती है। जिससे थकान और कमजोरी लगती है। इसलिए आयुर्वेद में बताया गया है कि दिनभर में थोड़ा-थोड़ा और थोड़े समय के अंतराल पर पानी पीना चाहिए।

घर पर बनाएं नींबू के ये सुपर रिफ्रेशिंग ड्रिंक्स

गर्मियों का मौसम आते ही सबसे बड़ी परेशानी होती है तेज धूप, पसीना और शरीर में पानी की कमी। ऐसे में लोग ठंडक पाने के लिए कोल्ड ड्रिंक्स या बाजार में मिलने वाले मीठे पेय की तरफ भागते हैं, लेकिन कई बार ये शरीर को फायदा देने की बजाय नुकसान पहुंचा देते हैं। नींबू सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। खास बात ये है कि नींबू के साथ अलग-अलग चीजें मिलाकर कई ऐसे ड्रिंक्स बनाए जा सकते हैं जो स्वाद के साथ शरीर को ठंडक भी देते हैं, अगर आप भी इस गर्मी कुछ हल्का, फ्रेश और घर पर आसानी से बनने वाला पीना चाहते हैं, तो ये 7 नींबू ड्रिंक्स आपके लिए शानदार विकल्प हो सकते हैं।

क्लासिक नींबू पानी आज भी सबसे पसंदीदा गर्मियों का नाम आते ही सबसे पहले दिमाग में नींबू पानी ही आता है। नींबू का रस, ठंडा पानी, थोड़ा नमक और चीनी मिलाकर तैयार होने वाला ये पेय आज भी लोगों का फेवरेट बना हुआ है। कई लोग इसमें बर्फ और पुदीना डालकर इसका स्वाद और बढ़ा देते हैं। दोपहर में बाहर से घर लौटने के बाद एक गिलास ठंडी शिकंजी शरीर को तुरंत राहत देती है। यही वजह है कि गांव से लेकर शहर तक यह ड्रिंक हर जगह लोकप्रिय है।

पुदीना नींबू कूलर देगा इंस्टेंट फ्रेशनेस

गर्मी और थकान दोनों करेगा दूर अगर दिनभर की भागदौड़ के बाद शरीर थका हुआ महसूस हो रहा है, तो पुदीना नींबू कूलर काफी राहत दे सकता है। पुदीने की पत्तियां और नींबू का कॉम्बिनेशन शरीर को अंदर से ठंडक देने का काम करता है। कई लोग सुबह वर्कआउट के बाद भी इसे पीना पसंद करते हैं क्योंकि इसका स्वाद हल्का और फ्रेश महसूस होता है। इसमें थोड़ा सा काला नमक डाल दिया जाए तो इसका टेस्ट और भी बढ़ जाता है। शहद नींबू ड्रिंक हेल्थ कॉन्शियस लोगों की पसंद जो लोग ज्यादा चीनी नहीं लेना चाहते, उनके लिए शहद और नींबू वाला पेय अच्छा विकल्प माना जाता है। ठंडे पानी में नींबू और थोड़ा शहद मिलाकर तैयार किया गया यह ड्रिंक स्वाद में हल्का और काफी सुकून देने वाला लगता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू और शहद लेने का ट्रेंड भी काफी बढ़ा है। हालांकि गर्मियों में इसे ठंडे पानी के साथ पीना ज्यादा ताजगी देता है।

मसाला शिकंजी का देसी स्वाद आज भी हिट भारतीय घरों की पारंपरिक समर ड्रिंक अगर आप सिर्फ मीठा नहीं बल्कि थोड़ा मसालेदार स्वाद पसंद करते हैं, तो मसाला शिकंजी आपके लिए परफेक्ट हो सकती है। इसमें काला नमक, भुना जीरा, नींबू और पुदीना मिलाया जाता है। उत्तर भारत में गर्मियों के दौरान सड़क किनारे मिलने वाली मसाला शिकंजी काफी लोकप्रिय रहती है। तेज धूप में एक गिलास मसाला शिकंजी पीते ही शरीर में अलग ही एनर्जी महसूस होती है।

नींबू नारियल कूलर रखेगा शरीर हाइड्रेट इन दिनों फिटनेस पसंद करने वाले लोग नारियल पानी के साथ नींबू मिलाकर पीना काफी पसंद कर रहे हैं। नारियल पानी में मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और नींबू की ताजगी मिलकर इसे शानदार समर ड्रिंक बना देते हैं। जो लोग ज्यादा देर धूप में रहते हैं या बाहर काम करते हैं, उनके लिए यह पेय काफी फायदेमंद माना जाता है क्योंकि यह शरीर में पानी की कमी जल्दी पूरी करने में मदद करता है।

बिना तेल के बनाएं कुरकुरी पूड़ियां

आजकल लोग सेहत के प्रति जागरूक हो गए हैं और वे हेल्दी चीजें खाना पसंद कर रहे हैं। एक जमाने में लोगों को पूड़ियां बहुत अच्छी लगती थीं, लेकिन अब लोग ऑयली फूड्स से दूरी बना रहे हैं। खासतौर से कोलेस्ट्रॉल और बीपी की समस्या से जूझ रहे लोग पूड़ियां खाने से बच रहे हैं। पूड़ी का असली स्वाद डीप फ्राई करने से आता है, लेकिन अगर आप पूरी तरह तेल से बचना चाहते हैं तो कुछ देसी और हेल्दी जुगाड़ अपनाकर पूड़ी जैसा अनुभव जरूर पा सकते हैं। ये तरीके पारंपरिक पूड़ी का बिल्कुल कॉपी नहीं हैं, लेकिन स्वाद, टेक्सचर और फील में काफी हद तक उसे रिप्लेस कर सकते हैं।

तवा वाली पूड़ी बनाना हेल्दी ऑप्शन

यह सबसे आसान और घर में रोज इस्तेमाल होने वाला जुगाड़ है, जिसे आप बिना तेल के पूड़ी का सबसे करीब विकल्प कह सकते हैं। इसमें गेहूं का आटा सामान्य तरीके से गूथ लिया जाता है, लेकिन ध्यान रखा जाता है कि आटा न बहुत सख्त हो और न बहुत नरम, ताकि वह अच्छे से फूल सके। आटे की छोटी-छोटी पूड़ी जितनी लोई बनाकर उसे बेल लिया जाता है। इसके बाद इसे गरम तवे पर डालकर दोनों तरफ अच्छे से सेंकते हैं। जब एक तरफ हल्का सिक जाए, तो उसे पलटकर हल्का पानी छिड़क दिया जाता है और ढक्कन से ढक दिया जाता है। भाप बनने से यह रोटी अंदर से फूल जाती है और पूड़ी जैसा लुक देने लगती है।

ओवन या एयर फ्रायर की ड्राई पूड़ी

अगर आपके पास ओवन या एयर फ्रायर है, तो आप बिना तेल के क्रिस्पी पूड़ी जैसा स्नैक तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आटे को सामान्य तरीके से गूथकर छोटी पूड़ियां बेल ली जाती हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इन्हें डीप फ्राई नहीं किया जाता, बल्कि बेक किया जाता है। ओवन को पहले 180-200 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट किया जाता है और फिर इन बेली हुई पूड़ियों को 8 से 10 मिनट तक बेक किया जाता है। इससे वे हल्की क्रिस्पी और ड्राई हो जाती हैं। एयर फ्रायर में भी यही प्रक्रिया अपनाई जा सकती है, जहां कम समय में बेहतर रिजल्ट मिल सकता है।

यह सबसे हेल्दी और पूरी तरह तेल-फ्री तरीका है, जिसमें पूड़ी को तलने की बजाय भाप में पकाया जाता है। इसके लिए आटे को हल्का नरम गूंथना जरूरी होता है ताकि वह स्टीम में अच्छे से पक सके। छोटी-छोटी पूड़ी बेलकर इन्हें स्टीमर में रखा जाता है और लगभग 5 से 7 मिनट तक भाप में पकाया जाता है। इस प्रक्रिया में पूड़ी फूलती नहीं है जैसे तेल में फूलती है, लेकिन वह नरम, हल्की और खाने में आसान बन जाती है। इस तरह की पूड़ी को आप सब्जी या दाल के साथ खा सकते हैं। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प है जो तेल और फ्राइड फूड से पूरी तरह दूरी बनाना चाहते हैं या डाइट पर हैं।

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी के मध्य महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन संपन्न

दुर्ग। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं छत्तीसगढ़ स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी के मध्य वेटलैंड संरक्षण, अनुसंधान, शिक्षण एवं विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ। इस समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवि रंजन सक्सेना तथा छत्तीसगढ़ स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी के सदस्य सचिव मातेश्वरन व्ही., भारतीय वन सेवा, द्वारा हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता छत्तीसगढ़ राज्य में वेटलैंड संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इस समझौते के माध्यम से दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं, तकनीकी प्रशिक्षण, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के क्षमता विकास, फील्ड अध्ययन, जागरूकता कार्यक्रमों तथा वेटलैंड आधारित सतत् विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगी। विश्वविद्यालय एवं वेटलैंड ऑथोरिटी के मध्य हुए इस सहयोग से राज्य के विभिन्न वेटलैंड क्षेत्रों में वैज्ञानिक अध्ययन, जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र के मूल्यांकन तथा स्थानीय समुदायों की सहभागिता आधारित विकास कार्यक्रमों को विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को वेटलैंड प्रबंधन, संरक्षण तकनीकों एवं पर्यावरणीय अनुसंधान के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। इस समझौते पर कुलपति प्रोफेसर रवि रंजन सक्सेना ने कहा कि वर्तमान समय में वेटलैंड संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा उद्यानिकी एवं वानिकी शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। यह समझौता राज्य में वैज्ञानिक अनुसंधान एवं सतत् विकास गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगा। छत्तीसगढ़ स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी के सदस्य सचिव मातेश्वरन व्ही. ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ यह साझेदारी वेटलैंड संरक्षण के क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं सकारात्मक परिणाम देने वाली सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि वेटलैंड क्षेत्रों के संरक्षण एवं प्रबंधन में वैज्ञानिक संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है तथा विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों के सहयोग से इस दिशा में प्रभावी कार्य किए जा सकेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. राजेश्वरी साहू, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (माननीय कुलपति), डॉ. वेधिका साहू, सहायक प्राध्यापक, डॉ. नीतू हरमुख, वैज्ञानिक सहित विश्वविद्यालय एवं वेटलैंड ऑथोरिटी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने इस समझौते को राज्य में पर्यावरण संरक्षण, अनुसंधान एवं सामुदायिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल बताया। यह समझौता भविष्य में वेटलैंड आधारित अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं नवाचार गतिविधियों के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करेगा।

प्रमुख बिन्दु:

- वेटलैंड संरक्षण एवं प्रबंधन में सहयोग
- संयुक्त अनुसंधान एवं प्रशिक्षण
- विद्यार्थियों/शोधार्थियों का क्षमता विकास
- जल संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन
- फील्ड अध्ययन एवं वैज्ञानिक सर्वेक्षण
- जागरूकता एवं विस्तार गतिविधियां
- सतत् विकास एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा
- तकनीकी एवं वैज्ञानिक विशेषज्ञता का आदान-प्रदान

पिता की प्रथम पुण्य स्मृति में शिक्षिका प्रतीक जैन ने ली चंचल एवं जागृति की बारहवीं तक की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी

अब तक कुल पांच बच्चों की ले चुकी हैं पढ़ाई की जिम्मेदारी

बेमेतरा। जिले के साजा विकास खण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रानो की नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन ने चंचल वर्मा एवं जागृति साहू की बारहवीं तक की शिक्षा की जिम्मेदारी ली है। दोनों ही छात्राएं बहुत ही होनहार एवं प्रतिभाशाली तथा सरल एवं आज्ञाकारी हैं। शिक्षिका का कहना है कि आठवीं तक तो बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्राप्त होती ही है लेकिन पैसे के अभाव या अन्य कारणों से इन बच्चों की शिक्षा में कोई बाधा ना आए तथा कम से कम बारहवीं तक ये शिक्षा प्राप्त कर लें इसी उद्देश्य से इन्होंने इनकी जिम्मेदारी ली है। सत्र 2024-25 में विश्व कैंसर दिवस पर उन्होंने केसर वर्मा पिता स्वर्गीय ज्ञानलाल वर्मा की बारहवीं तक की जवाबदारी ली थी तथा पूरे सत्र के लिए शैक्षणिक सामग्री प्रदान की थी। सत्र 2025-26 में उन्होंने अपने पिता बालोद जिले के डौन्डी लोहारा निवासी रहे स्वर्गीय मोतीचंद संचेती की स्मृति देवपीका साहू एवं नीलेश वर्मा की जिम्मेदारी ली थी।तथा तीनों बच्चों को उन्होंने पूरे सत्र के लिए शैक्षणिक सामग्री प्रदान की थी। विगत तीन वर्षों से शिक्षिका इस दिशा में कार्य कर रही हैं। उनका मानना है कि शिक्षा एक व्यवस्थित प्रक्रिया है जिसके माध्यम से बच्चा ज्ञान, अनुभव, कौशल एवं सही दृष्टिकोण प्राप्त करता है। शिक्षा व्यक्ति को सभ्य, सुसंस्कृत एवं शिक्षित बनाती है। एक सभ्य एवं सुसंस्कृत समाज के लिए शिक्षा ही एकमात्र साधन है। इसका उद्देश्य व्यक्ति को परिपूर्ण बनाना है। शिक्षिका के इस प्रयास से पांचो बच्चों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। शिक्षा जीवन की चुनौतियों से पार पाने एवं गरीबी के दुष्चक्र को तोड़ने की दिशा में पहला कदम है।

झीरम घाटी के अमर शहीदों को प्रदेशभर में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि : शांति और विकास का दोहराया संकल्प

दुर्ग भिलाई। छत्तीसगढ़ के इतिहास में 25 मई का दिन एक काले अध्याय के रूप में दर्ज है। साल 2013 में आज ही के दिन बस्तर की झीरम घाटी में हुए कायराना नक्सली हमले में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सहित कई सुरक्षाकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में आज पूरे प्रदेश में 'झीरम श्रद्धांजलि दिवस' मनाया गया। राज्यभर में मौन रखकर अमर शहीदों को नमन किया गया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्य मंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने इस ऐतिहासिक शहादत को याद करते हुए कहा कि झीरम घाटी की घटना लोकतंत्र और मानवता पर एक बहुत बड़ा हमला थी। इस भीषण हमले में देश और प्रदेश ने अपने कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और जांबाज जवानों को खो दिया।

इन अमर शहीदों को किया गया नमन- श्रद्धांजलि सभाओं में वरिष्ठ नेता विद्याचरण शुक्ल, नंदकुमार पटेल, महेंद्र शर्मा, मोहम्मद अल्लाहनूरु, उदय मुदलियार, गोपी माधवन, दिनेश पटेल, योगेंद्र शर्मा, अभिषेक गोलछा, गणपत नाथ, सदासिंह नाग, भागीरथी नाग, मनोज जोशी, राजकुमार श्रीवास्तव और शहीद चंद्रहास ध्रुव सहित सभी वीर जवानों को कृतज्ञतापूर्वक याद किया गया।

शांति और जनसेवा की प्रेरणा देता है यह दिन- नेताओं और नागरिकों ने शहीदों को याद करते हुए कहा कि यह शहादत दिवस हमें शांति, लोकतंत्र और जनसेवा के मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। प्रदेश सरकार द्वारा हर वर्ष 25 मई को आधिकारिक तौर पर 'झीरम श्रद्धांजलि दिवस' के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन छत्तीसगढ़ की जनता ने एक सुर में शहीदों के आदर्शों पर चलने और राज्य में शांति, आपसी सद्भाव व विकास को गति देने के संकल्प को एक बार फिर दोहराया है।

ठोस एवं तरल अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की अपील बनहरदी में प्रशासन व ग्रामीणों द्वारा स्वच्छता त्योहार

सुप्रीमकोर्ट के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 की जानकारी

डोंगरगांव नगर। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के परिपालन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में विशेष अभियान चलाकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत बनहरदी में स्वच्छता त्योहार उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम में ग्रामीणों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थलों, सड़कों, नालियों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ सफाई की गई। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को साफ सफाई को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों,पंचायत प्रतिनिधियों, स्वच्छता दीदियों, युवाओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एमएल चंद्रवंशी ने सर्वोच्च न्यायालय के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने गांवों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से प्रत्येक ग्राम पंचायत में इन नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने ठोस एवं तरल अपशिष्ट के उचित प्रबंधन, कचरे के पृथक्करण तथा स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने कहा। जनपद पंचायत डोंगरगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोशनी भगत टोप्पो एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से घर घर कचरा संग्रहण एवं समय पर यूजर चार्ज देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया। डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य करने वाले स्वच्छाग्रहियों को श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच पूजा साहू, उपसरपंच भुवन साहू, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) जिला समन्वयक डॉ. छेटे लाल साहू, यूनिसेफ एसोई बसंत मरकामड़े, बीसी मेघा कुर्रे, एजीपीओ वीरेंद्र तिवारी, ओमप्रकाश जैन व कुंदन मंडावी, उपअभियंता, तकनीकी सहायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हिंदी भवन के सामने इनर व्हील चौक' का हुआ उद्घाटन

महापौर अलका बाघमार ने काटा फीता

विशेष संवाददाता, दुर्ग। शहर के सौंदर्यीकरण और ब्रांडिंग की दिशा में सोमवार को एक बड़ा कदम उठाया गया। इनर व्हील क्लब द्वारा तैयार किए गए ÷इनर व्हील चौक÷ गरिमामयी उद्घाटन सोमवार, 25 मई को शाम 4:00 बजे संपन्न हुआ। इस खास मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महापौर अलका बाघमार ने फीता काटकर चौक का विधिवत लोकार्पण किया।

सहयोगियों का जताया आभार- समारोह के दौरान शहर के विकास और शिक्षा क्षेत्र में योगदान के लिए पायल अग्रवाल, सोनिया आनंद एवं कल्पना गोस्वामी (एड डायरेक्टर एजुकेशन) का क्लब की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया गया और आभार व्यक्त किया गया।

ट्रैफिक टीम और निगम कर्मियों का हुआ सम्मान- इस पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और सफल बनाने में स्थानीय ट्रैफिक टीम का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और आमजन को असुविधा से बचाने के लिए ट्रैफिक विभाग की टीम लगातार सक्रिय रही। क्लब की ओर से इस सराहनीय कार्य के लिए ट्रैफिक कर्मचारियों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों और नगर निगम के कर्मचारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों ने इनर व्हील क्लब के इस सामाजिक और प्रेरणादायी प्रयास की जमकर सराहना की।

सेवा कार्यों का प्रतीक बनेगा यह चौक : स्नेहा मित्तल

क्लब की अध्यक्ष नताशा दुआ ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी सदस्यों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने क्लब सचिव स्नेहा मित्तल, जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता जयराम, एडिटर भावना मनसुखानी सहित वर्किंग कमेटी मेंबर अंजलि लाखोटिया, सिंपल राठी, निधि पिल्लई, लक्ष्मी सिंह, ग्रीष्मा व्यास, नीतू गांधी एवं पिंकी बंसल के विशेष योगदान की सराहना की।

अंत में क्लब सचिव स्नेहा मित्तल ने सभी अतिथियों और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ÷अब यह चौक 'इनर व्हील चौक' के नाम से शहर की नई पहचान बनेगा, जो हमेशा क्लब के सेवा कार्यों और समर्पण का प्रतीक रहेगा।

इस अवसर पर पीडीसी (PDC) चित्रा बहादुर, रसिका बहादुर, कनिका जैन, पूनम जोटवानी, प्रतिभा जैन, रश्मि जैन, अदिति बहादुर, शुभ भंडारी, मंजू भंडारी, स्वाति भंडारी, नीति बल्लावार, निधि देशलहरा, कृतिका ज्ञानी, पल्लवी गुप्ता एवं स्मिता गुप्ता सहित क्लब के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग में दो-दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

दुर्ग। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग का 13 से 14 मई 2026 तक दो-दिवसीय 'वार्षिक समीक्षा बैठक' का आयोजन उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सांकरा मे किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में विश्वविद्यालय के अंतर्गत चल रहे शोध (Research), प्रक्षेत्र (Farm) और विस्तार (E&tension) गतिविधियों की गहन समीक्षा की किया गया।इस समीक्षा बैठक में प्रदेश के 8 जिलों के सहायक संचालक (कृषि एवं उद्यानिकी) तथा विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 9 महाविद्यालयों के अधिष्ठाता (Deans) विशेष रूप से उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ विजय जैन, डॉ एल एल वर्मा एवं संयुक्त संचालक कृषि दुर्ग संभाग गोपिका गवेल, सहायक संचालक उद्यानिकी सुरेश ठाकुर की गरिमामय उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुआ. यह दो दिवसीय वार्षिक समीक्षा बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवि आर सक्सेना के मार्गदर्शन, निदेशक अनुसंधान सेवायें डॉ जितेंद्र सिंह के नेतृत्व एवं कुलसचिव यशवंत के राम जी के दिशा निर्देश से संपन्न हुआ. बैठक के दौरान पिछले वर्ष की उपलब्धियों का आकलन करने के साथ-साथ आगामी सत्र की कार्ययोजना पर चर्चा हुआ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर (डॉ.) अमित दीक्षित ने बैठक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, इस दो-दिवसीय बैठक मे विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिये जिसमें कृषकों की आय बढ़ाने और विद्यार्थियों के शैक्षणिक व व्यावहारिक कौशल के विकास के साथ किसानों के लिए फल, फूल, सब्जी के उन्नत बीज उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया जिससे शोध और विस्तार कार्यों के समन्वय से उन्नत उद्यानिकी एवं वानिकी तकनीकों को सीधे खेतों तक पहुँचाने में मदद मिलेगी।

20 वार्ड के 763 लोगों ने दिया आवेदन

सड़क दुर्घटना में एक पैर गवां चुके मजदुर को सुशासन में मिला सहारा

रिसाली/ दुर्ग। नगर पालिक निगम रिसाली के सुशासन शिविर में सड़क दुर्घटना में एक पैर गवां चुके पुरैना के दिनेश साहू को सहारा मिला। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बैटरी चलित ट्राई सायकल प्रदान किया। दिनेश साहू एक वर्ष से ट्राई सायकल लेने कार्यालय का चक्कर लगा रहा था। सोमवार को 20 वार्डों के लिए लगाए शिविर में कुल 763 आवेदन प्राप्त हुए।

दरअसल दिहाड़ी श्रमिक दिनेश हताश होकर पुरैना के शिविर में पहुंचा था। वहां उसने दिव्यांगता का हवाला देते हुए अपनी पीड़ा क्षेत्रीय विधायक ललित चंद्राकर व कलेक्टर अभिजीत सिंह के समक्ष रखा था। दिनेश साहू का कहना था कि वह लगभग एक साल पहले सुबह-सुबह मजदुरी करने घर से निकला था। इसी बीच सिरसा गेट के निकट उसे हाइवा ने अपने चपेट में ले लिया। जब उसकी आँख खुली तो वह अस्पताल में था और दाहिना पैर गायब था। पूरे घर की जिम्मेदारी अपने कांधे पर उठाने वाला दिनेश टूट चुका था। जैसे तैसे जयपुर में निर्मित पैर लगाने के बाद वह हिम्मत से चलना शुरू किया। उसकी इच्छा थी कि अगर बैटरी चलित ट्राई सायकल की मदद से वह फिर से कुछ कर सकता है, किन्तु दस्तावेजों के अभाव की वजह से ट्राई सायकल उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। कलेक्टर अभिजीत ने पीड़ित की गुहार सुनने के बाद उसे शीघ्र बैटरी चलित ट्राई सायकल दिलाने का आश्वासन दिया था। सोमवार के शिविर में दिनेश को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ट्राई सायकल भेंट किया। शिविर का अवलोकन महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य सनीर साहू, ममता यादव, जमुना ठाकुर, जहीर अब्बास समेत पार्षद शीला नारखेड़े, सविता ढवस, रमा साहू, धमेन्द्र भगत, मनीष यादव, माया यादव, डॉ. सीमा साहू, विलास राव बोरकर, विनय नेताम, परमेश्वर आदि उपस्थित थे।

विधायक ने समूह को सौंपा चेक- दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सुशासन शिविर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने संचालित छत्तीसगढ़ महिला कोष से एक लाख का ऋण ममतत्व स्व साहयता समूह को उपलब्ध कराया। वहीं विधायक, महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के तहत ज्योति रावते, दीपा ठाकुर, कौशल्या कुर्रे की गोद भराई रश्म की।

आयुर्वेद प्राथमिक अस्पताल खोलने पहल- दुर्ग ग्रामीण विधायक ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि रिसाली क्षेत्र में आयुर्वेदिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने वे पहल करेंगे। दरअसल सुशासन शिविर में आयुर्वेद दवाईयां लेने नागरिकों की भीड़ अधिक रहती है। इसे देख कर और नागरिकों से चर्चा करने विधायक ने प्राथमिक केन्द्र खोले जाने का आश्वासन दिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com